तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 81 | कोरबा, रविवार, दिनांक 21 दिसम्बर 2025 डाक 22 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सड़क पर चल रहे लोगों पर हमलावरों ने बरसाई गोलियां

फायरिंग में 9 की मौत

जोहानिसबर्ग, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के बाहरी इलाके के एक टाउनशिप में अज्ञात बंदूकधारियों अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में 9 लोगों की जान गई है। इस घटना में 10 लोगों के घायल होने की खबर है। दरअसल, शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर सोने की खदान वाले इलाके बेकर्सडेल में रात 1.00 बजे से पहले ठीक पहले हमलावरों ने वहां पर मौजूद लोगों पर गोलीबारी की। शुरुआती जानकारी में पुलिस ने बताया था कि कुल 10 लोगों की मौत हुआ है, लेकिन आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 9 लोगों की जान गई है। पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा कि दो गाड़ियों में आए हमलावरों ने शराखाने में बैठे लोगों पर गोलियां चलाई और मौके पर भागते समय भी अंधाधुंध फायरिंग करते रहे। प्रांतीय पुलिस कमिश्नर मेजर जनरल फ्रेड केकाना ने एसएबीसी टेलीविजन को बताया कि मरने वालों में एक ऑनलाइन कार-हेलिंग सर्विस का चाल भी शामिल था। वह बार के बाहर था। पुलिस का कहना है कि हमलावरों को पकड़ने की तलाश जारी।

प्रधानमंत्री ब्रह्मपुत्र में क्रुज पर सवार हुए, छात्रों से किया संवाद

गुवाहाटी, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे के दूसरे दिन रविवार सुबह ब्रह्मपुत्र नदी में क्रुज शिप पर सवार होकर छात्रों से संवाद किया। यह खास संवाद 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया, जिसमें असम के विभिन्न जिलों से चुने गए 25 छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री करीब 45 मिनट तक तीन मंजिला क्रुज शिप 'एम वी चराइदेव-2' पर छात्रों से बातचीत करते नजर आए। यह कार्यक्रम हाल ही में उद्घाटित गुवाहाटी गेटवे टर्मिनल (इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट) से शुरू हुआ, जहां से पीएम फ्लोटिंग ब्रिज के जरिए क्रूज तक पहुंचे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र कामरूप मेट्रोपॉलिटन, मोरीगांव, डिब्रु गढ़, कछार, श्रीभूमि, बक्सा, दीमा हसाओ, कोकराझार, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग और

नलबाड़ी जिलों से चुने गए हैं। इनमें जवाहर नवोदय विद्यालय, पीएम श्री स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, डॉन बॉस्को संस्थान और निजी स्कूलों के छात्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा को देखते हुए ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। नदी पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें सुबह से ही गश्त पर रहीं। एहतियातन शनिवार से दो दिनों के लिए फेरी सेवाएं भी स्थगित कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पहले कहा था कि पिछले साल काजीरंगा दौरे के बाद पर्यटन में बढ़ोतरी देखी गई थी और इस बार ब्रह्मपुत्र पर पीएम के क्रुज से नदी पर्यटन को भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है। 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम 2018 से हर साल आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्रों को परीक्षा के तनाव से निपटने में मदद करना और पढ़ाई के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान पीएम मोदी छात्रों को बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं को शांत मन से देने, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर मार्गदर्शन देते हैं।

पीढ़ी दर पीढ़ी हम..., भारत विरोधी नेता हादी के अंतिम संस्कार में यूनुस का बड़ा बयान

ढाका, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद जमकर प्रदर्शन हुए। भीड़ ने बड़ी संख्या में राजधानी ढाका में हिंसा और प्रदर्शन किया। भारत विरोधी नेता शरीफ उस्मान हादी का जनाजा निकाला गया। इस जनाजे में भारी संख्या में लोग उमड़े। इस बीच भीड़ को संबोधित करते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी के आदर्शों पर चलने का वादा किया। हादी के जनाजे में हजारों की संख्या में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए यूनुस ने हादी के सपने को पूरा करने और उसे पीढ़ियों तक आगे ले जाने का भी भरोसा दिलाया।

बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार के हवाले से यूनुस ने कहा कि उस्मान हादी सभी के दिलों में हैं, जब तक बांग्लादेश रहेगा, वह सभी के दिलों में ही रहेंगे। जोर देते हुए यूनुस ने कहा कि कोई भी तुमको वहां से नहीं हटा सकता है। आज लाखों लोग लहरों की तरह इकट्ठा हुए हैं, जबकि पूरे बांग्लादेश में करोड़ों लोग और विदेश में रहने वाले बांग्लादेशी बादी के बारे में सुनने के लिए इस पल का इंतजार कर रहे हैं।

यूनुस ने कहा कि हम वादा करने आए हैं कि तुमने (हादी) हमसे जो कहा, हम उसे पूरा करेंगे। सिर्फ हम ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश की पीढ़ी दर पीढ़ी के लोग इस वादे को पूरा करेंगे। मोहम्मद यूनुस ने हादी के राजनीति के तरीके को याद किया और बताया कि लोगों ने उसकी कितनी तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि इंसानियत के लिए आपका प्यार, लोगों के साथ रहने और बातचीत करने का आपका तरीका तथा आपका राजनीति नजरिया हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है।

दिल्ली के जैतपुर एक्सटेंशन में सिलेंडर विस्फोट, चाय बनाते समय हुआ हादसा

दक्षिण दिल्ली 21 दिसम्बर। रविवार सुबह जैतपुर एक्सटेंशन के जी ब्लॉक में एक घर की पहली मंजिल पर किचन में गैस सिलेंडर फट गया। एक महिला चाय बना रही थी तभी अचानक आग लग गई। परिवार के सभी लोग घर से बाहर निकलने में कामयाब रहे। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन किचन पूरी तरह से बर्बाद हो गया और दूसरे नुकसान भी हुए।

नए साल पर दहलाने की साजिश, पठानकोट के रास्ते पाक आतंकी घुसपैठ की फिराक में, सैन्य ठिकानों पर हमले का षड्यंत्र

पठानकोट 21 दिसम्बर। पाकिस्तान एक बार फिर नए साल पर पंजाब में दहशत फैलाने की योजना बना रहा है। उसने पंजाब के रास्ते घुसपैठ कराने के लिए आतंकियों को तैयार कर लिया है और उनकी मदद के लिए सीमा क्षेत्र के अपने स्लीपर सैल एक्टिवेट कर दिए हैं। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर पंजाब पुलिस ने गंदला लाहड़ी क्षेत्र से आतंकियों के संदिग्ध मददगार बिल्लू गुज्जर को हिरासत में लिया है। दूसरा व्यक्ति नजाकत हुसैन फिलहाल लापता है। उसकी तलाश की जा रही है। एसएसपी दलजिंदर सिंह ने बताया कि बिल्लू को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। फिलहाल अन्य आरोपों के संबंध में जांच जारी है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में बैठे आतंकी संगठन एक बार फिर पठानकोट में बड़ा हमला करने की साजिश रच रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि खुफिया एजेंसियों के मुताबिक कुछ आतंकी जम्मू

कश्मीर और पठानकोट में घुसपैठ करने की फिराक में हैं। इन आतंकियों का उद्देश्य पठानकोट एयरबेस, रेलवे स्टेशन और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर हमला करना है। इस साजिश का मास्टरमाइंड पाकिस्तानी नागरिक मुजफ्फर अहमद हैं, जो पठानकोट में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आतंकी नेटवर्क चला रहे हैं। एजेंसियों को यह इनपुट भी प्राप्त हुआ है कि यह हमला नए साल की पूर्व संध्या यानी 25-31 दिसंबर के बीच हो सकता है। इन आतंकियों ने संचार के लिए वर्चुअल नंबरों का इस्तेमाल किया है, जिससे उनकी पहचान में मुश्किलें आ रही हैं।

खुफिया एजेंसियों ने दो प्रमुख इनपुट साझा किए हैं। पहली जानकारी में बताया गया था कि 17-18 दिसंबर की रात तीन आतंकी अपने स्थानीय मददगारों बिल्लू गुज्जर और नजाकत हुसैन की मदद से पठानकोट में घुसपैठ करेंगे। इन आतंकियों का उद्देश्य पठानकोट के सैन्य ठिकानों और एयरबेस पर हमला करना है। सुरक्षा बढ़ाते हुए जिला पठानकोट में पुलिस, सेना और विशेष कमांडो की तैनाती की गई है। एक अन्य खुफिया सूचना में सामने आया है कि पठानकोट के एक धर्मशाला में कुछ स्लीपर सैल ठहरे हुए हैं जो इलाके की रेकी कर रहे हैं। पठानकोट जिले के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे डमटाल, ढांगू, भदरोया और मीलवां में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एसएसपी दलजिंदर सिंह ने बताया कि रात के समय सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ा दी गई है और पूरी रात विशेष चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

बहुत बड़ी गलती है, भाजपा का जिक्र कर कही बड़ी बात, हम केवल सेवा संगठन नहीं : मोहन भागवत

कोलकाता, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत इन दिनों पश्चिम बंगाल के चार दिवसीय दौरे पर हैं। उत्तर बंगाल से कोलकाता पहुंचे भागवत ने साइंस सिटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अगर आप संघ को समझना चाहते हैं, तो तुलना करने से गलतफहमियां पैदा होंगी। अगर आप संघ को केवल एक अन्य सेवा संगठन मानते हैं, तो आप गलत होंगे।

आरसएस प्रमुख ने कहा कि कई लोगों में संघ को भाजपा के नजरिए से समझने की प्रवृत्ति होती है, जो एक बहुत बड़ी गलती है। संघ की स्थापना का सार एक ही वाक्य में है भारत माता की जय। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि अपनी खास संस्कृति, परंपरा और स्वभाव का नाम है। संघ का लक्ष्य इन मूल्यों को बनाए रखते हुए भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए समाज को तैयार करना है। भागवत ने साफ किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जन्म किसी राजनीतिक मकसद, प्रतिस्पर्धा या विरोध के लिए नहीं हुआ। उनका कहना था कि संघ पूरी तरह हिंदू समाज के संगठन, उन्नति और संरक्षण के लिए समर्पित है। संघ की भूमिका समझाने के लिए भागवत ने इतिहास का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस के निधन के बाद अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष भले ही थम गया, लेकिन राजा राम मोहन राय के समय से शुरू हुई समाज सुधार की प्रक्रिया लगातार चलती रही। उन्होंने इसे समुद्र के बीच एक ऐसे द्वीप की तरह बताया, जो समय के साथ मजबूती से कायम रहा।अपने संबोधन में आरएसएस प्रमुख ने समाज को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि भारत एक महान विरासत वाला देश है और उसे वैश्विक नेतृत्व के लिए खुद को तैयार करना होगा।

उन्होंने कहा कि अतीत में हम अंग्रेजों से युद्ध हार गए थे, लेकिन अब वक्त है कि हम अपने समाज को संगठित और सशक्त बनाएं। उनका पूरा भाषण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा, 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' की सोच और एकजुट हिंदू समाज के साथ समृद्ध भारत के लक्ष्य पर केंद्रित रहा।

एपस्टीन से जुड़ी 16 फाइलें वेबसाइट से गायब, सच की परत खुलने से पहले हंगामा

***नई दिल्ली।** अमेरिका में यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन से जुड़े लंबे समय से बंद पड़े सरकारी दस्तावेजों कम से कम 16 ऐसी फाइलें फाइलें शनिवार तक अमेरिकी न्याय विभाग की वेबसाइट से गायब हो गईं। इसमें एक ऐसी भी फाइल शामिल थी, जिसमें ट्रंप की तस्वीरें थी। दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग ने कांग्रेस द्वारा पारित एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत हजारों पेज के दस्तावेज और सैकड़ों फोटो जारी किए। इन एपस्टीन की जांच, फ्लाइट लॉग्स, फोटोग्राफ्स और अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं। बताया जा रहा है कि गायब हुई ये फाइलें अमेरिका के न्याय विभाग की सार्वजनिक वेबसाइट पर शुक्रवार को अपलोड की गई थी, जिसे शनिवार तक आम लोगों के एक्सेस से हटा दिया गया। गायब हुई फाइलों में ऐसी तस्वीरें शामिल थी, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप, जेफ्री एप्सटीन और गिस्लेन मैक्सवेल एक साथ नजर आ रहे थे।*

धूल-मलबा-कचरा जलाने पर शिकंजा, दिल्ली सरकार का जिला स्तर पर सख्त निगरानी के हुक्म

नई दिल्ली 21 दिसम्बर। प्रदूषण की समस्या को देखते हुए दिल्ली सरकार ने पिछले अक्टूबर में सरकार द्वारा बनाई गई जिला समितियों को और सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इन समितियों की सह-अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस उपायुक्त और नगर निगम के उपायुक्त करते हैं। प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित विभिन्न विभाग इन समितियों के सदस्य हैं। सरकार ने इन समितियों से प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निगरानी और कार्रवाई पर अधिक ध्यान देने को कहा है।

आईएमडी ने भारत के इन इलाकों में घना कोहरा और शीत लहर का अलर्ट जारी

नईदिल्ली 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

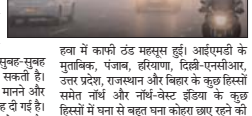

हिमालयी इलाकों में बर्फबारी बढ़ने के कारण इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने देश के कई हिस्सों में घने कोहरे और कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। नॉर्थ इंडिया के कुछ हिस्सों में पहले से ही कोहरा छाया हुआ है, जिससे सुबह-सुबह ट्रैवल करने वालों को मुश्किल हो सकती है। लोगों को आईएमडी की गाइडलाइंस मानने और बाहर कम एक्टिविटी करने की सलाह दी गई है। रविवार को दिल्ली में लोगों को घना कोहरा और

हवा में काफी ठंड महसूस हुई। आईएमडी के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ हिस्सों समेत नॉर्थ और नॉर्थ-वेस्ट इंडिया के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। सुबह-सुबह और देर रात के समय विजिबिलिटी कम होने से रोड, रेल और एयर ट्रैफिक में दिक्कत आ सकती है।

यात्रियों को सावधानी से गाड़ी चलाने, फॉग लाइट इस्तेमाल करने और ट्रैवल एडवाइजरी से अपडेट रहने की सलाह दी जाती है। नॉर्थ इंडिया के कई हिस्सों में तेज़ कोल्ड वेव जारी है, जिससे टेम्परेचर नॉर्मल से काफी नीचे चला गया है। वेदर डिपार्टमेंट ने कहा कि झारखंड, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, असम, मणिपुर, वेस्ट बंगाल, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में भी हिमालय से बर्फीली हवाएं चलने की संभावना है, जिससे सुबह ठंडी और रात में तेज़ गिरावट आएगी।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

एक लाख के इनामी बदमाश का एनकाउंटर सिराज पर थे हत्या समेत 30 से ज्यादा मुकदमे

सहारनपुर, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

उत्तर प्रदेश एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) ने बुधवार की सुबह गंगोह थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक लाख रुपये के इनामी बदमाश सिराज को मुठभेड़ में मार गिराया। सुल्तानपुर जिले के निवासी सिराज को एसटीएफ मेरठ की टीम ने करीब 6.00 बजे सुबह घेर लिया था, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में उसे ढेर कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ की मेरठ इकाई को सिराज के गंगोह क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी। इस मुखबिर की सूचना के आधार पर, टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्षेत्र को घेर लिया। जैसे ही एसटीएफ की टीम ने बदमाश सिराज को आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया, उसने जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में मुख्य आरोपी और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश सिराज अहमद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। सिराज अहमद, सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर गांव का रहने वाला था। 8 अगस्त 2023 की शाम सुल्तानपुर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता आज़ाद अहमद की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में हत्या का मुख्य आरोपी सिराज अहमद सामने आया था। इसके बाद से वह फरार चल रहा था। अधिवक्ता आज़ाद हत्याकांड में वांछित होने पर पुलिस ने सिराज पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए यूपी एसटीएफ को भी लगाया गया था। लगातार दबिश के बावजूद वह पुलिस की पकड़ से बाहर था। मुठभेड़ स्थल से एसटीएफ ने एक मोटरसाइकिल, 30 बोर और 32 बोर की दो पिस्टल, दोनों बोर के भारी मात्रा में जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस, चार मोबाइल फोन, दो वाई-फाई डोंगल, एक छोटा बैग और आधार कार्ड समेत अन्य कागजात बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार, सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज थे।

निगम के सभी 07 जोन में आयोजित किए गए गुड गवर्नेस वीक शिविर

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा के सभी 07 जोन कार्यालयों में गुड गवर्नेस वीक शिविरों का आयोजन किया गया, अपनी शिकायतें, समस्याएं व आवेदन लेकर शिविर में पहुंचे, नागरिकों के आवेदनों को पंजीबद्ध करते हुए त्वरित निराकृत होने वाली समस्याओं का मौके पर पहुंचकर निराकरण कराया गया, वहीं ऐसी समस्याएं व मांग जिन्हें निराकृत करने में समय लगेगा, उन आवेदनों को पंजीकृत करते हुए इनका क्रमबद्ध समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित कराया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के तहत नगर पालिक निगम कोरबा के कोरबा जोन, टी.पी. नगर जोन, कोसाबाड़ी जोन, रविशंकर नगर जोन, बालको जोन, दर्री जोन व सर्वमंगला जोन में प्रात: 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक गुड गवर्नेस वीक शिविर आयोजित किए गए, इन शिविरों में जन्म-मृत्यु पंजीयन, व्यापार अनुज्ञप्ति, विवाह प्रमाण पत्र, भवन अनुज्ञा, जलकर एवं सम्पत्तिकर, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, नल कनेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण आदि कार्यो के साथ-साथ नल लिकेज, नलों में पानी न आना, नालियों, गलियों की सफाई, सार्वजनिक नलों से पानी का बहाव, कचरे की सफाई व परिवहन, टूटी-फूटी नालियों का मरम्मत, सड़कों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाईट के बल्ब, ट्यूब आदि का बंद रहना आदि से जुड़ी समस्याओं, शिकायतों व आवेदनों को लेकर पहुंचे आमनागरिकों के आवेदनों को पंजीकृत किया गया। उनकी ऐसी समस्याओं व शिकायतों जिनका त्वरित निराकरण संभव था, उनका मौके पर पहुंचकर निगम अमले ने निराकरण कराया तथा ऐसी मांग व समस्याएं जिनमें प्रक्रियागत समय लगना है, उन आवेदनों को पंजीकृत करते हुए उनके त्वरित निराकरण की क्रमबद्ध कार्यवाही भी निगम द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। आयोजित किए गए शिविरों में निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, उपायुक्त पवन वर्मा व बी.पी. त्रिवेदी सहित अन्य अधिकारियों ने शिविरों का निरीक्षण किया तथा शिविरों हेतु नियुक्त अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

निगम के उपायुक्त पवन वर्मा ने बताया कि रविवार को भी निगम के सभी 07 जोन में गुड गवर्नेस वीक शिविरों का आयोजन किया जाएगा तथा निगम से संबंधित समस्त कार्यो से जुड़ी समस्याओं, शिकायतों व मांग आदि के आवेदन आमनागरिकों से प्राप्त किए जाएंगे। उन्होने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही प्रात: 10 से दोपहर 03 बजे तक यह शिविर आयोजित होंगे।

सरस्वती शिशु मंदिर कुसमुंडा में गणित मेले का हुआ आयोजन

कोरबा । सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुसमुंडा में 20 दिसंबर, शनिवार को महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर गणित मेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य चिंतामणि कौशिक, गणिताचार्य रामशरण कश्यप, अनूप सावलकर तथा विज्ञान प्रमुख श्रीमती अंजना पाराशर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। गणित मेले में भैया-बहनों ने गणित विषय को रोचक एवं सरल बनाने के उद्देश्य से गणितीय चार्ट, मॉडल, मापन गतिविधियां एवं विविध प्रदर्शनी प्रस्तुत की। इसके साथ ही प्रश्न मंच के माध्यम से प्रश्नोत्तर कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर प्राचार्य चिंतामणि कौशिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने अल्प आयु में ही गणित के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कीं। उन्होंने पाई के अंकों की गणना के लिए अनेक नवीन सूत्र दिए, जो परंपरागत तरीकों से भिन्न थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान जीवन में गणित का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है ।

जयंती पर याद किए गए पूर्व मुख्यमंत्री वोरा

कोरबा। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं मोतीलाल वोरा की 98वीं जयंती कार्यक्रम टी पी नगर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में स्व. मोतीलाल वोरा के तैलचित्र पर पुष्पहार एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया । जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर ने स्व. मोतीलाल वोरा के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और अविभाजित मध्यप्रदेश के दो बार मुख्य मंत्री रहे मोतीलाल वोरा अत्यंत सादगी के साथ जिंदगी जिये । मोतीलाल वोरा ने लंबे समय तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष के पद पर कार्य किया । उनका 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया । ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान ने स्व. मोतीलाल वोरा जी को याद करते हुए कहा कि मोतीलाल वोरा ने पत्रकारिता से सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की थी । 1972 में कांग्रेस से विधायक चुने गये, इसके बाद 1977 और 1980 में भी विधायक निर्वाचित हुए । मध्यप्रदेश के तत्कालिन मुख्य मंत्री अर्जुन सिंह ने मोतीलाल वोरा को कैबिनेट मंत्री बनाया था । वे केन्द्रीय मंत्री के रूप में भी अपने दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं । पूर्व सभापति श्यामसुंदर सोनी ने वोरा जी को याद करते हुए कहा कि स्व. मोतीलाल वोरा जी मृदुभाषी और सरल सौम्य व्यक्तित्व के धनी थे । सार्वजनिक जीवन में उच्च मानदंड स्थापित किये । श्री सोनी ने आगे कहा कि मोतीलाल वोरा का जन्म 20 दिसम्बर 1928 को हुआ था और उनका निधन 21 दिसम्बर 2020 को हुआ । कार्यक्रम में उपस्थित नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, पार्षद बद्री किरण, पूर्व पार्षद प्रदीप जायसवाल, संतोष लांझेकर, डॉ. रामगोपाल यादव, जिला कांग्रेस के पदाधिकारी रामकुमार राठौर, शशि अग्रवाल, सीमा उपाध्याय, लक्ष्मी महंत, कुंजबिहारी साहू,

मूकबधिर/श्रवणबधिर दिव्यांगजनों के लिए रायपुर में विशेष रोजगार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

कोरबा। उपसंचालक, रोजगार एवं विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर की डॉ. (श्रीमती) शशी अतुलकर द्वारा अवगत कराया गया है कि मूकबधिर/श्रवणबधिर दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 23 दिसम्बर 2025 को एक विशेष रोजगार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु), पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, राजभवन के बाजू, सिविल लाइन्स, रायपुर में आयोजित होगा।

इस प्लेसमेंट कैम्प में फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा एक्सीक्यूटिव असिस्टेंट के 10 पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती की जाएगी। चयनित आवेदकों को स्कैनिंग, लोडिंग, अनलोडिंग, पैकिंग, पिकिंग एवं शॉर्टिंग से संबंधित कार्य करना होगा।

मरीजों का समय पर समुचित उपचार के दिए निर्देश

मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही नवपदस्थ कलेक्टर कुणाल दुदावत ने ली स्वास्थ्य सुविधाओं की टोह

भविष्य में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में अधोसंरचना, उपकरण की आवश्यकताओं को ध्यान रखकर विभागों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश

कोरबा। जिले में ज्वॉनिंग के दूसरे ही दिन से नवपदस्थ कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में अपनी रणनीति प्रारंभ कर दी है। इस कड़ी में आज उन्होंने सुबह होते ही कोरबावासियों की लाइफलाइन स्व बिसाहूदस महंत स्मृति मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। अस्पताल में प्रवेश करते ही उन्होंने एक आम मरीज की तरह आवश्यकताओं को भांपते हुए पंजीयन कक्ष एवं इमरजेंसी सेवा के पास सेवारत चिकित्सकों के नाम एवं उनके मोबाइल नंबरों की सूची प्रदर्शित करने और शासन द्वारा मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं का उल्लेख करते हुए जानकारी को डिस्प्ले करने के निर्देश दिए। लगभग दो घंटे तक उन्होंने अस्पताल में अपना समय देते हुए मरीजों, मरीजों के परिजनों, एनआरसी में दाखिल बच्चों की माताओं से स्वास्थ्य सुविधाओं की टोह लीं और उन्हें कॉलेज प्रबंधन द्वारा दी जा रही सुविधाओं को भी परखने का काम किया। कलेक्टर दुदावत ने पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाई गई टीवी के बंद होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए, वहीं बच्चो को दी जाने वाली आहार की जानकारी लेते हुए उन्होंने किचन में जाकर सब्जी, दाल की गुणवत्ता को भी परखा और दाल पतली दिखाई देने पर गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यहां भर्ती बच्चे का वजन कराकर वजन में हो रहे सुधार की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने एनआरसी में अव्यवस्थाओं को लेकर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दुदावत ने अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने, आपातकालीन मरीजों को त्वरित एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

नवपदस्थ कलेक्टर श्री दुदावत ने आपातकालीन सेवा, शिशु वार्ड, महिला एवं पुरुष वार्ड, बर्न यूनिट, एनआरसी, डायलिसिस सेंटर, ऑपरेशन थियेटर, सोनोग्राफी, मनोरोग, गायनिक, नेत्र विभाग, ओपीडी सेवा, एसएनसीयू, सेंट्रल किचन, हमर लैब, ट्रामा सेंटर तथा स्टोर रूम का निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री दुदावत ने मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के साथ ही भविष्य में होने वाले विस्तार, अधोसंरचना विकास एवं आवश्यक उपकरणों को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

मरीजो से जाना हाल-चाल,मिल रही सुविधाओं को भी परखा

कलेक्टर श्री दुदावत ने मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए भर्ती मरीजों से उनका हाल-चाल पूछते हुए उन्हें मिल रही चिकित्सकीय उपचार की भी टोह लीं। उन्होंने अस्पताल में डॉक्टर द्वारा जाँच करने,दवाइयां उपलब्ध होने, आयुष्मान कार्ड से उपचार, नाश्ते एवं भोजन समय पर मिलने, खाने की क्वालिटी ठीक होने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सेंट्रल किचन में

विस्थपितों की समस्याओं के समाधान के लिए डीएम को सौंपा ज्ञापन

कोरबा। के भू-विस्थापितों की समस्याओं के समाधान हेतु 'ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति' ने जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन कोरबाआज 'ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति' के एक प्रतिनिधिमंडल ने कोरबा के नवनियुक्त जिलाधीश कुणाल दुदावत से मुलाकात कर उन्हें एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा इस दौरान समिति ने जिले के हजारों भू-विस्थापितों की लंबे समय से लंबित समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया ।समिति ने अवगत कराया कि और जैसे औद्योगिक संस्थानों के कारण हजारों स्थानीय ग्रामीणों और आदिवासियों को अपनी पैतृक भूमि गंवानी पड़ी है वर्तमान में ये परिवार रोजगार सहित पुनर्वास और बसाहट की बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं । ज्ञापन के माध्यम से जिलाधीश से निवेदन किया गया है कि विस्थापन से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा के लिए एक 'विशेष सेल' का गठन किया जाए या एक विशेष जनसुनवाई आयोजित की जाए समिति ने मांग की है कि प्रशासन संबंधित औद्योगिक प्रबंधनों विद्युत संयंत्रों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्थापितों को न्याय दिलाए ।समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने कलेक्टर को अवगत कराया कि मूलभूत सुविधाओं और हक के अभाव में जिले के आदिवासियों पिछड़े तबकों और विशेषकर युवाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है उन्होंने उम्मीद जताई है कि नए जिलाधीश के कुशल नेतृत्व में कोरबा के विकास के साथ-साथ यहाँ के मूल निवासियों को भी उचित न्याय मिलेगा ।?इस अवसर पर समिति के प्रतिनिधिमंडल में विजयपाल सिंह तंवर रुद्र दास महंत अनुसुईया राठौर संतोष कुमार चौहान श्रीकांत सोनकर ललित महिलांगे उपस्थित थे उपस्थित रहे जिन्होंने जिलाधीश के सफल कार्यकाल की मंगलकामना की ।

कटघोरा-पाली तानाखार विधानसभा स्तरीय बैठक में संगठन को धार, चुनावी रणनीति पर मंथन

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा कटघोरा एवं पाली तानाखार विधानसभा स्तरीय बैठक का भव्य आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण बैठक कोरबा जिले के नवनियुक्त प्रभारी अनिल केशरवानी के मुख्य आतिथ्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी , कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल एवं जिला सह प्रभारी बृजेश शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रही।विधानसभा स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं जिले के नवनियुक्त प्रभारी अनिल केशरवानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासित और विचारधारा आधारित संगठन है, जहाँ प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता और जनसेवा का आधार है। आगामी समय में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसंपर्क अभियानों को और अधिक प्रभावी एवं तेज करने की आवश्यकता है, ताकि पार्टी की नीतियाँ और सरकार की उपलब्धियाँ जन-जन तक पहुँच सकें। श्री केशरवानी ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा की ताकत उसकी संगठित कार्यप्रणाली और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनके बल पर पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है।बैठक को संबोधित करते हुए राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की धुरी है। युवाओं को जागरूकता अभियान, जनसंपर्क और सेवा

कार्यों के माध्यम से आगे आना होगा। उन्होंने युवाओं से संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने, सकारात्मक सोच के साथ समाज में परिवर्तन लाने तथा पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुँचाने का आह्वान किया। श्री तोमर ने विश्वास जताया कि युवाओं की सक्रिय सहभागिता से सरकार की योजनाएँ धरातल पर प्रभावी रूप से साकार होंगी। कटघोरा एवं पाली तानाखार विधानसभा स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी जी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और इसी सामूहिक शक्ति के बल पर पार्टी निरंतर जनता का विश्वास जीत रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़े रहते हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में कार्यकर्ताओं की भूमिका सराहनीय रही है। श्री मोदी जी ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करें, आपसी समन्वय बनाए रखें तथा पार्टी की विचारधारा और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुँचाएं।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह, पूर्व विधायक रामदयाल उईके, नगर पालिका दीपका अध्यक्ष राजेंद्र राजपूत, नगर पंचायत छुरीकला अध्यक्ष श्रीमती पदमिनी प्रीतम देवांगन, नगर पंचायत पाली अध्यक्ष अजय जायसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा, प्रदेश संयोजक पंचायत प्रकोष्ठ पवन गर्ग, जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडेय, संजय शर्मा, लक्की नंदा, सतीश झा, नवीन अरोरा, अर्जुन गुप्ता, शैलेन्द्र यादव, विवेक मार्कण्डेय, कमला किंडो, डॉ. विजय राठौर, अजय चन्द्रा, उदय श्रीवास्तव व नीरज ठाकुर सहित मंडल अध्यक्षगण और बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद

नगर निगम के बालको जोनांतर्गत 08 वार्डों में होंगे 02 करोड़ 61 लाख रू. के विकास कार्य

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा के बालको जोनांतर्गत वार्ड क्र. 38, 39, 40, 41, 42, 43, 46 व 47 में 02 करोड़ 61 लाख रूपये के विकास कार्य कराए जाएंगे। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री सह कोरबा नगर विधायक लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों में कई विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों के द्वारा किया गया, वहीं वार्ड क्र. 38 चेकपोस्ट लालघाट में 08 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक मंच का लोकार्पण भी उनके हाथों सम्पन्न हुआ। इस मौके पर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी. सदस्य हितानंद अग्रवाल सहित निगम के पार्षद व जनप्रतिनिधिगण विशिष्ट रूप से उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बालको जोन के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 38 अंतर्गत रिसदा में 30 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण, वार्ड क्र. 38 चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में लूडी हैम्ब्रो घर से स्व. पवन पटेल घर तक 10 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 38 अंतर्गत अमरसिंह होटल के पास 08 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 38 अंतर्गत चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में माखन यादव के घर से नदी तक 14 लाख 50 हजार रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 39 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में 30 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 46 परसाभांठा बालको नवधा पण्डाल के पास 15 लाख रूपये की लागत से किचन शेड व कक्ष का निर्माण किया जाना हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार क्र. 01 शास.प्रा.शाला परसाभांठा एवं प्राथमिक शाला रिसदा में 20 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण, वार्ड क्र. 40 अंतर्गत पाड़ीमार बालको चिंतामणी साहू के घर से स्वास्थ्य केन्द्र तक 05 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 36 पाड़ीमार बालकोनगर में 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, वार्ड क्र. 41 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में 25 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 41 अंतर्गत पाड़ीमार क्र. 02 पार्षद घर के पीछे तालाब के चारों ओर 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी.रोड निर्माण एवं उन्नयन कार्य किए जाने हैं। इसी कड़ी में वार्ड क्र. 42 अंतर्गत बालकोनगर दैहानपारा स्थित शिव मंदिर के पास 15 लाख रूपये की लागत से तालाब का जीर्णोद्धार कार्य, वार्ड क्र. 42 दैहानपारा राखड़ डेम के पास 27 लाख 70 हजार रूपये की लागत से एस.एल.आर.एम.सेंटर का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 43 कैलाशनगर में 20 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण तथा वार्ड क्र. 45 अंतर्गत स्थित शासकी माध्यमिक शाला रूमगरा में 16 लाख 83 हजार रूपये की लागत से नवीन शाला भवन का निर्माण कार्य किया जाना हैं, जिनका भूमिपूजन संपन्न किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में सुशासन, सुरक्षा, विकास व अधिकतम जनकल्याण की गारंटी हैं, वे विगत 11 वर्षो से देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं, इस दौरान विश्व स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ा है, देश सशक्त, सुरक्षित व विकसित हुआ है, विकास की रफ्तार बढ़ी है तथा देश के लोगों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति विश्वास बढ़ा है। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन में राज्य में सुशासन स्थापित हुआ है तथा भ्रष्टाचार मुक्त शासन-प्रशासन की हमारी संकल्पना साकार हुई है। उन्होने कहा कि विगत 11 वर्षो से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, 15 वर्षो तक डॉ. रमन सिंह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहें तथा 02 वर्ष से विष्णुदेव साय की सरकार है, किन्तु इस पूरी अवधि में कभी कोई भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे, हमारी सरकार में भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है। श्री देवांगन ने आगे कहा कि जहाँ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो नगर निगम कोरबा क्षेत्र के लिए विगत 02 वर्ष के दौरान लगभग 800 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यो को स्वीकृति दी जा चुकी है, उन्होने कहा कि कोरबा के विकास के लिए धनराशि की कमी नहीं होने दी जाएगी तथा क्षेत्र के जनता जनार्दन की मांग व उनकी आवश्यकता के अनुरूप बिना किसी भेदभाव के सभी वार्डो में समान रूप से विकास कार्य होंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने भदरापारा बरगद चौक के पास स्थित जर्जर सार्वजनिक मंच के जीर्णोद्धार हेतु विधायक निधि से 05 लाख रूपये प्रदान किए जाने की घोषणा भी की। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव तथा कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन से नगर निगम कोरबा क्षेत्र में एक बार पुन: विकास को अपेक्षित गति प्राप्त हो रही है तथा निगम के सभी वार्डो में वहाँ की जनता जनार्दन की मांग व आवश्यकता के अनुसार व्यापक पैमाने पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होने कहा कि विकास कार्यो के जो भी प्रस्ताव मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री व कैबिनेट मंत्री के समक्ष रखे जाते हैं, उन पर तत्काल स्वीकृति प्राप्त होती है तथा निगम क्षेत्र के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेयर इन काउंसिल सदस्य हितानंद अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, विगत कुछ वर्षो से विकास रूका हुआ था, किन्तु अब तेजी से

कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में धान खरीदी की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित

कोरबा । कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में संचालित धान खरीदी व्यवस्था की गहन समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त उपार्जन केंद्रों की प्रगति, व्यवस्थाओं, चुनौतियों एवं समाधान बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई ।कलेक्टर श्री दुदावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर शेष सभी पंजीकृत किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लघु एवं छोटे किसानों से प्राथमिकता के आधार पर पहले धान खरीदी की जाए, जबकि मध्यम एवं बड़े किसानों से चरणबद्ध तरीके से खरीदी की जाए, जिससे किसी भी उपार्जन केंद्र पर अनावश्यक भीड़ या अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो ।कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में धान खरीदी का कार्य पूर्णत: सुचारू, पारदर्शी एवं किसान-हितैषी ढंग से संचालित होना चाहिए। यह शासन की एक महत्वपूर्ण योजना है, अत: इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों में साफ-सफाई, व्यवस्थित रख-रखाव एवं मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय, छायादार बैठने की व्यवस्था आदि की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान विक्रय के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें एक सहज एवं सकारात्मक अनुभव प्राप्त हो, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है ।कलेक्टर श्री दुदावत ने उपार्जन केंद्रों में किसानों को जागरूक करने हेतु बैनर, पोस्टर एवं सूचना पटल व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से लगाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को धान खरीदी, टोकन, नमी मापदंड एवं भुगतान संबंधी सभी आवश्यक जानकारियाँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि टोकन व्यवस्था में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किसानों को समान रूप से सुविधा मिलनी चाहिए और किसी भी किसान को टोकन प्राप्त करने में परेशानी नहीं होनी चाहिए ।बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों के आसपास निवासरत स्व-सहायता समूहों को स्टॉल लगाने हेतु स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाए, जिससे किसानों को धान विक्रय के दौरान भोजन, चाय-पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उसी परिसर में उपलब्ध हो सकें और उन्हें दूर भटकना न पड़े ।कलेक्टर श्री दुदावत ने समितियों में हमालों की पर्याप्त एवं पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि धान उठवाने या भंडारण का कार्य किसानों से किसी भी स्थिति में न कराया जाए।

डीईओ ने बलौदा ब्लॉक की एबीईओ को नियम विरुद्ध पुनः जिला शिक्षा कार्यालय में कर रखा है संलग्न

संलग्नीकरण के लिए शासन से नहीं ली है अनुमति, नियम- कायदों की उड़ रही धज्जियां

जांजगीर चांपा । जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर-चांपा ने नियम विरूद्ध विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बलौदा में पदस्थ एक महिला एबीईओ को पुनः जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में करीब डेढ़ महीने से संलग्न कर रखा है। बताया जा रहा है कि डीईओ ने इस संबंध में शासन से किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली है। ऐसे में इस पूरे मामले ने जिला शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली को सवालों के कटघरे में ला खड़ा किया है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर रखा है, जिसके मुताबिक, गैर शिक्षकीय कार्य में लगे शिक्षकों के अलावा अन्य विभागों में संलग्न शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को उनके मूल स्थान पर ही रखकर उनसे कार्य लिया जाना है, जिससे

शिक्षा विभाग का कामकाज प्रभावित न हो। मगर जांजगीर-चांपा जिले में तो शासन के आदेश-निदेशों की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। जानकारी के अनुसार, जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर ने 28 अक्टूबर 2025 को एक आदेश जारी कर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बलौदा में पदस्थ एबीईओ पुष्पा कोरी दिवाकर को नियम विरूद्ध जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में पुनः करीब डेढ़ महीने से संलग्न कर रखा गया है। खास बात यह है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में इन्हें संलग्न करने के संबंध में डीईओ द्वारा शासन-प्रशासन से किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं लिए जाने की बात सामने आ रही है।

समस्त शिकायत जांच की जिम्मेदारी एबीईओ कोजांजगीर-चांपा जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में अनेक वरिष्ठ प्राचार्य एवं व्याख्याता पदस्थ हैं। इसके बावजूद, जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर द्वारा शिक्षा विभाग से संबंधित तमाम शिकायतों की जांच के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में नियम विरुद्ध संलग्न एबीईओ पुष्पा कोरी दिवाकर को ही जांच अधिकारी नियुक्त किया जाता है। आरोप है कि इनके द्वारा जांच के नाम पर खानापूर्ति कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

बता दें कि पूर्व में भी तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा एबीईओ पुष्पा कोरी दिवाकर को नियम विरुद्ध जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में संलग्न किया गया था। इस संदर्भ में विभिन्न मीडिया में खबरें प्रकाशित और प्रसारित होने के बाद एबीईओ पुष्पा कोरी दिवाकर को यहां से उनके मूल स्थान विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बलौदा भेज दिया गया था। लेकिन, एक बार फिर उन्हें यहां नियम विरुद्ध संलग्न कर बड़ा खेल खेला जा रहा है। इस बात की जमकर चर्चा है।

समग्र शिक्षा के एडीपीओ को भी कर दिया संलग्न

जिला शिक्षा अधिकारी ने शासन-प्रशासन के नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। जिला शिक्षा अधिकारी ने 28 अक्टूबर 2025 को एक आदेश जारी कर राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान समग्र शिक्षा जांजगीर-चांपा के एडीपीओ प्रदीप कुमार शर्मा को भी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में यह कहते हुए संलग्न कर दिया कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में कार्यालयीन कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं के सुचारू रूप से संचालन करने के लिए उनकी आवश्यकता है जबकि, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान में एडीपीओ के पद पर प्रदीप कुमार शर्मा की प्रतिनियुक्ति राज्य शासन द्वारा की गई है। ऐसे में जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर को इन्हें जिला शिक्षा कार्यालय जांजगीर में संलग्न करने का किसी प्रकार का कोई अधिकार ही नहीं है।

बताया जा रहा है कि इसी आदेश के तहत उप प्राचार्य राजकुमार तिवारी को भी डीईओ कार्यालय में संलग्न किया गया था किंतु पदोन्नति पश्चात शासन ने उन्हें प्राचार्य बनाकर अन्य जिले में भेज दिया है।

मुख्यमंत्री की धर्म पत्नी ने किया दर्शन भगवान शिवरीनारायण जी का

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने शिवरीनारायण पहुंचकर भगवान श्री नर -नारायण जी का दर्शन पूजन किया। साथ ही उन्होंने नवीं शताब्दी से विराजित चंद्रचूड़ महादेव तथा जगन्नाथ मंदिर में भी दर्शन पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं संपूर्ण विश्व के कल्याण की कामनाएं की। *मंदिर से दर्शन कर बाहर निकलते हुए उन्होंने स्कूल से शिवरीनारायण भ्रमण के लिए आए हुए विद्यार्थियों से भेंट मुलाकात की तथा एक छोटे से छात्र को अपने गोदी में उठा कर दुलार किया। मंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने उन्हें प्रथम बार शिवरीनारायण मठ आगमन के उपलक्ष में भगवान शिवरीनारायण जी का तैल चित्र भेंट करके शाल, श्रीफल से सम्मानित किया एवं शिवरीनारायण मठ के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती साय जी के साथ सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, आचार्य प्रज्ञा भारती, भाजपा जिला संगठन प्रभारी राजेंद्र वैष्णव, राहुल थवाईत, विष्णु हरी गुप्ता, बुद्धेश्वर केसरवानी, हिमांशु तिवारी सहित भाजपा के अनेक कार्यकर्ता तथा मुख्तियार सुखराम दास , त्यागी महाराज, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे, अंकित दुबे आदि अनेक गणमान्य नगरीक गण उपस्थित थे।

मुख्य न्यायाधीश ने लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल को किया सम्मानित

जांजगीर चांपा । आम जनता को विधिक सहायता व कानूनी जानकारी दिए जाने के उत्कृष्ट कार्य पर उच्च न्यायालय बिलासपुर के माननीय मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के द्वारा जांजगीर चांपा के अधिकार मित्र लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल को सम्मानित किया गया। लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल को यह सम्मान वर्ष 2023,2024 व 2025 को नेशनल लोक अदालत में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। लोक अदालत के माध्यम से आपसी राजीनामा योग्य मामलों का निराकरण होता है। लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल पिछले तीन वर्षों से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर में पांच हजार से ऊपर लोगों को निशुल्क सलाह व सहायता एवं नेशनल लोक अदालत में तीन हजार से अधिक गरीब पक्षकारों को कानूनी सलाह दे चुके हैं साथ ही लगातार सभी विभागों से समन्वय कर आम लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने में हमेशा अपना सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

जनादेश परब: विश्वास, निर्माण, गौरव 22 दिसंबर को जांजगीर में

जांजगीर-चांपा । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनादेश परब- विश्वास, निर्माण, गौरव का आयोजन 22 दिसंबर को पुलिस लाइन जांजगीर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं विशाल आमसभा का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से आम नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 11 बजे से छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध लोक कलाकार पद्मश्री श्री अनुज शर्मा द्वारा विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी जाएगी।

तैयारियों को लेकर आज राज्य खनिज निमग के अध्यक्ष सौरभ सिंह, महापौर धमतरी जगदीश रोहरा, यशवंत जैन, पूर्व विधायक अंबेश जांगड़े सहित कलेक्टर जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए तैयारियों का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम को सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम के गरिमामय आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतज़ाम किये गये है। इस अवसर पर पुष्पेन्द्र सिंह, कार्तिकेश्वर स्र्वणकार, प्रशांत सिंह, विकास शर्मा, श्रीमती उमा सोनी, अंकित अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप सहित जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

वनरक्षकों के 67वें प्रशिक्षण सत्र के सत्रांत अवसर पर दीक्षांत समारोह का किया गया आयोजन

सक्ती। जांजगीर-चाम्पा वनमंडल के अंतर्गत संचालित वनरक्षक प्रशिक्षण शाला सक्ती में वनरक्षकों के 67वें प्रशिक्षण सत्र के सत्रांत अवसर पर दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक बिलासपुर वृत्त, मनोज कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संचालक एवं वनमण्डलाधिकारी, वनरक्षक प्रशिक्षण शाला सक्ती हिमांशु डोंगरे के द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर देकर किया गया। मंचीय कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ, शुरू हुआ। सर्वप्रथम संचालक एवं वनमण्डलाधिकारी, वनरक्षक प्रशिक्षण शाला सक्ती हिमांशु डोंगरे के द्वारा 67वें प्रशिक्षण सत्र के प्रगति प्रतिवेदन का पठन किया गया। मुख्य अतिथियों एवं अन्य अतिथियों के द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण करने के साथ-साथ विशयो में सर्वोच्च अंक अर्जित करने वालो को पुरस्कार दिए गए। वन वर्धन एवं वनस्पति शास्त्र में तिजऊ राम नेताम वन सर्वेक्षण एवं वन अभियांत्रिकी में तिजऊ राम नेताम, वन प्रबंध एवं वन उपयोगिता में जगेश्वर तथा वन विधि एवं वन सुरक्षा में मोहन लाल साव को विषय पुरस्कार प्राप्त हुआ। सत्र में प्रथम स्थान तिजऊ राम नेताम, कवर्धा वनमण्डल के वनरक्षक प्रशिक्षणार्थियों को प्राप्त हुआ एवं आल राऊण्डर प्रशिक्षणार्थी धर्मेन्द्र, कवर्धा वनमण्डल को घोषित किया गया।

मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक, बिलासपुर वृत्त मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को उज्जवल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपने आशिर्वचन में प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण को विभागीय कार्य में उतारकर अच्छी गुणवत्ता के साथ कार्य करने हेतु कहा गया। मैदानी क्षेत्र में आवश्यकता के अनुरूप कार्य करते हुए आमजनों के हित में कार्य करते रहने तथा आम जनों एवं ग्रामीणों के मध्य आपसी सामन्जस्य स्थापित कर विभाग की छवि अक्षुण्ण बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण उपरांत उच्च स्तरीय कार्य प्रदर्शन की आशा प्रकट की गई, साथ ही वन विद्यालय सक्ती के क्रमिक उन्नति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सराहना की गई।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान विभिन्न प्रतिस्पधाओं के विजेता एवं उप विजेता प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कार वितरित किये गये। उक्त कार्यक्रम में सहायक अनुदेशक छोटेलाल डनसेना, वन परिक्षेत्र अधिकारी बलौदा सुश्री शिखा झा, वन परिक्षेत्र,अधिकारी सक्ती कुवेरचरण बरिहा, वन परिक्षेत्र अधिकारी चापा चितराम राठिया, अतिथि व्याख्याता राधेलाल शुक्ला, सेवानिवृत्त उप वनक्षेत्रपाल सुरेन्द्र मोहन शुक्ला, सेवानिवृत्त उप वनक्षेत्रपाल रामचन्द्र यादव, सेवानिवृत्त वनक्षेत्रपाल एवं पी.टी.आई. उत्तम सिन्हा, वनपाल सुखदेव बिराट, वनरक्षक सत्यवान यादव, गेमगार्ड श्रीमती अंजली डहरिया, भा.वा.चा. मनवेल मिंज का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डाटा एन्ट्री ऑपरेटर गोविन्द शरण शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में अनुदेशक वनरक्षक प्रशिक्षण शाला, सक्ती शिवेन्द्र साहू के द्वारा समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यक्रम का सफल बनाने हेतु आभार व्यक्त किया गया ।

जम्मू कश्मीर में 370 हटने के प्रभावों पर कश्यप ने ली जानकारी

विधानसभा सत्र में ध्यानाकर्षण के दौरान रखी बात

जांजगीर-चांपा। विधायक ब्यास कश्यप ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में जिले की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रश्न पूछे। उन्होंने विधानसभा में कुल 12 प्रश्नोत्तरी, 06 ध्यानाकर्षण, 01 शून्यकाल प्रश्न तथा जांजगीर-चांपा विधानसभा के ग्राम बोड़सरा में नवीन महाविद्यालय प्रारंभ करने एवं चांपा में नवीन कन्या महाविद्यालय प्रारंभ करने के लिए 02 याचिका लगाई थी। सदन के अंतिम दिवस में राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चर्चा कराई गई। ''वंदे मातरम्'' पर सदन को संबोधित करते हुए ब्यास कश्यप ने कहा कि मुझे गर्व है कि आज वंदे मातरम् की 150वीं जयंती के नाम से हम याद कर रहे हैं। भारत की आजादी की लड़ाई में जो गर्व से वंदे मातरम् के गीत और नारा लगाकर देश के प्रति शहीद हो गये, उस वंदे मातरम् को याद करने के लिए हम सब यहां उपस्थित हैं। दुर्भाग्य इस बात का है कि जिस उद्देश्य से इस विषय को विधान सभा में लाया गया है, हमारे साथियों द्वारा दूसरे के ऊपर आरोप लगाया जा रहा है, वह उचित भी नही है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष महोदय, मैं बचपन से संघ का स्वयंसेवक रहा हूं और वंदे मातरम् के विषय में क्या बोली जाती थी, उस बात को मैं आने वाले समय में बताऊंगा। अजय चंद्राकर जी, हमारे दोनों उपमुख्यमंत्री, अरूण साव जी और आदरणीय विजय शर्मा जी ने बहुत कुछ कहा है तो जवाब सुनने के लिए थोड़ा सा तैयार रहें। हम सब को पता है कि जिस समय वंदे मातरम् लिखा गया, किसकी राजनीतिक दल की क्या हैसियत थी, वह बाद का विषय है। 07 नवंबर 1875 में जब बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, जिनकों हम चटर्जी भी बोल लेते हैं, उनके द्वारा यह रचित गीत जिसमें प्रथम दो पद संस्कृत में हैं, संस्कृत हमारे पुराने समय की बोलचाल की भाषा रही है, वे बंगाल से आते थे, इसलिए बंग्ला का भी समायोजन हुआ। आदरणीय रविन्द्रनाथ टैगोर

जी जिन्होंने संगीतबद्ध किया और गाया भी। सार्वजनिक मंच पर प्रथम बार 27 दिसंबर, 1896 को 27 से 30 दिसंबर तक कांग्रेस का अधिवेशन जो कलकत्ता में हुआ था, उस पर यह गाया गया। वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति और प्रेरणा का प्रतीक बना था। 1896 में टैगोर जी ने पहली बार गाया, 1950 में यह भारत का राष्ट्रीय गीत घोषित हुआ। आप सब लोगों ने भी इसको कहा है। वंदे मातरम् के इस गीत पर भारत के लगभग सभी दल के लोग नतमस्तक होते हैं, मैं आरोप नही लगा रहा हूं। वर्तमान समय में जिस ढंग से वंदे मातरम् के विषय में आरोप-प्रत्यारोप लगाया जा रहा है, यह न्यायोचित नही है। मैने कहा कि संघ के शाखाओं में क्या बात होती थी, मैं भारतीय जनता पार्टी में था तो जानता हूं वहां भी वंदे मातरम् गाया जाता था। अब कांग्रेस में हूं तो जानता हूं कि कांग्रेस के प्रदेश के अधिवेशन हो, चाहे जिले की बैठकें हो, वंदे मातरम् से शुरूआत होती है। उक्त बातों को सुनकर सभी विधायक दल के लोग मेज थपथपाने लगते हैं। कांग्रेस में शुरू से ही वंदे मातरम् के नाम से देश की आजादी की लड़ाई में सभी लोग भाग लिये थे। अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह के लिए देश की स्वतंत्रता आंदोलन में भाग ले रहे आंदोलनकारियों को उत्साह हेतु वंदे मातरम् नारा ही प्रमुख था। मैं बोलता हूं कि वंदे मातरम् विषय ही ऐसा है, जो सबके लिए प्रिय है।

मंत्री केदार कश्यप एवं विधायक सुशांत शुक्ला के साथ हुई तीखी बहस...

ब्यास कश्यप को बीच में रोकते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आप लोगों के तुष्टीकरण के कारण ही तो कश्मीर इतने सालों तक उपेक्षित रहा। आप लोगों ने धारा 370 नही हटाया। यह इस बात का प्रमाण है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मंत्री केदार कश्यप को रोकते हुआ कहा कि आप उनको बोलने दीजिए। ब्यास कश्यप ने कहा कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर की क्या स्थिति है, क्या आप उसको देखने के लिए जाते हैं? मैं आपसे यह पूछना चाहता हूं कि आपने धारा 370 संविधान से पास कर लिया, परंतु क्या आप उसको जम्मू कश्मीर में लागू कर पा रहे हैं? विधायक सुशांत शुक्ला ने इस पर आपत्ति ली तो अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उन्हें रोकते हुए ब्यास कश्यप को पुनः बोलने का अवसर दिया। ब्यास कश्यप ने कहा कि मैं किसी की भावनाओं को ठेस नही पहुंचाना चाहता हूं। आप लोगों ने जो ठेस पहुंचाई है न, मैं उसी बात को बता रहा हूं। आप लोग थोड़ा सा सुन लीजिए। उन्होंने आगे कहा कि अरूण साव जी ने कहा कि आपातकाल के समय संघ के लोग वंदे मातरम् कहकर जेल गये। गये होंगे, अच्छी बात है। संघ का जो गीत है- ''नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे, त्वया हिन्दूभूमे सुखं वर्धितोहम्। वह यह कहकर भी तो जेल जाते। वंदे मातरम् के साथ यह गीत गाकर भी जेल जाते।

विधायक अनुज शर्मा ने टोकते हुए कहा कि माननीय अध्यक्ष जी, वह बैठे उधर हैं, लेकिन उनका दिल अभी तक इधर ही है। जवाब में ब्यास कश्यप ने कहा कि महोदय, आपने जो प्रताड़ित किया है, उसी नाम से हम इधर आये हैं। आप लोग मेरे से ज्यादा मत कहलवाइए। आप लोगों से ज्यादा ट्रेनिंगशुदा, प्रशिक्षु और बौद्धिक दृष्टि प्राप्त कार्यकर्ता अब इधर आ गया है। अनुज शर्मा ने कहा कि अच्छा आप बताईये, आप पुराने आदमी हैं। क्या आप राम मंदिर आंदोलन मे गये थे? ब्यास कश्यप ने कहा - मैं इलाहाबाद से अयोध्या एक हफ्ते तक पैदल गया था। उनकी बात सुनकर सभी मेज थपथपाने लगे। उन्होंने आगे कहा किन्तु भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कभी मुझे सम्मान नही मिला। हमारे आदरणीय शर्मा जी बोल रहे थे कि अखण्ड भारत। जो कि पूर्व में भारत का स्वरूप था अफगानिस्तान से लेकर बर्मा तक। वर्तमान स्थिति में इस लोकतंत्र में जब उस अखंड भारत का निर्माण होगा तो भाजपा कहां रहेगी, इस बात का चिंतन बाद में कीजिएगा।

विकास शर्मा भाजपा के जिला प्रवक्ता बने

जांजगीर चांपा। जांजगीर नैला शहर के युवा भाजपा नेता विकास शर्मा को पार्टी ने इस बार बड़ी जिम्मेदारी दी है भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव सिंह की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने विकास शर्मा को अपने संगठन का जिला प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किए हैं। इस नियुक्ति से विकास शर्मा के चाहने वालों में खुशी की लहर है वहीं उनके उज्जवल भविष्य की कामना उनके द्वारा की जा रही है। ज्ञात हो कि विकास शर्मा ने अपनी राजनैतिक सफर सेवाभावी कार्यों से शुरू किया था। जिन्होंने थ्री व्हीलर संगठन से अपनी राजनैतिक यात्रा शुरू करते हुए युवा मोर्चा एवं अन्य संगठनों के माध्यम से आज भाजपा के जिला संगठन में प्रवक्ता के पद तक पहुंच गए हैं।

भारतीय जनता पार्टी जिला जांजगीर-चांपा के जिला इकाई में प्रवक्ता के रूप में विकास शर्मा के नियुक्त होने से संगठन में मजबूती आएगी ऐसा माना जा रहा है।

खेलकूद प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ियों को दमखम दिखाने का मौका मिला

जांजगीर-चांपा। कार्यालय हरिराम गट्टानी मेमोरियल जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल जिला-जांजगीर-चाम्पा के प्रांगण में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2025-26 वार्षिक खेल-कुद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यालय प्राचार्या श्रीमती गुरमीत कौर धनजल मैम मुख्य अतिथि विद्यालय अध्यक्ष अशोक कुमार गट्टानी जी विद्यालय संचालक अजय कुमार गट्टानी ने मशाल प्रज्वलित करके बच्चों का उत्साह वर्धन किया । खेलकुद के आरंभ में ध्वज पताका के साथ-साथ परेड रैली की जिसमें

विद्यालय के शारीरिक शिक्षा संकाय के छात्र/छात्राओं ने हिस्सा लिया तथा विद्यालय के सभी हाऊस (दल) प्रमुख सम्मिलित रहें। मशाल प्रज्जवलन के पश्चात एवं राष्ट्रगान के साथ विद्यालय प्राचार्या ने कार्यक्रम को आरंभ करने का निर्देश दिया संचालक अशोक कुमार गट्टानी जी ने कार्यक्रम संबोधित किए। कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष अशोक कुमार गट्टानी . संचालक अजय गट्टानी, प्रबंधक हर्षित गट्टानी, विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती गुरमीत कौर धंजल मैम एवं प्रबंधन समिति के सदस्य श्रीमती गंगा गट्टानी, सुनीता गट्टानी हर्षिनी मैंम हर्ष गट्टानी, कृष्णा गट्टानी उपस्थित थे।

इसके पश्चात विद्यालय अध्यक्ष अशोक कुमार गट्टानी एवं प्राचार्या द्वारा प्रेरणा उद्बोधन देते हुए जीवन में खेलों का महत्व, खेलों का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव बताया। दल प्रमुख द्वारा हाऊस ध्वज फहराया एवं (स्काऊट) बैंड बजाकर कार्यक्रम आरंभ कराया गया। बच्चों में कार्यक्रम के प्रति सुबह से ही उत्साह नजर आ रहा था। विद्यालय को चार वर्ग (सत्या, क्षमा, दया, शांति) में बाटा गया था। बच्चों ने विविध खेलों में प्रतिभागी रहें दल के प्रभारी शिक्षक / शिक्षिकाओं ने खेलों का प्रतिस्पर्धा कराया। खेल प्रभारी शिक्षकों ने उच्चस्तरीय कक्षाओं के छात्र/छात्राओं द्वारा दौड़ कार्यक्रम से शुभारंभ किया। खेल कुद के कार्यक्रम दो दिवसीय आयोजित किए गए जिसमें सभी प्रकार के खेल सम्मिलित किए गए है। उच्च उच्चतर कक्षाओं में ऊँची कुद, लंबी कुद, रस्सी कुद, गोला फेंक, रस्सा कसी जैसे कार्यक्रम सम्मिलित किए गए तथा प्राथमिक तथा माध्यमिक कक्षाओं में चम्मच दौड़ जलेबी दौड़ जैसे कार्यक्रम सम्मिलित किए गए। तथा वर्गवार रिलेरेस दौड़ का आयोजन किया जिसमें बच्चों ने काफी उत्साह दिखाया ।

दूसरे दिन के कार्यक्रम के अंत में प्राथमिक स्तर के कक्षाओं के खेलों का आयोजन कराया जाएगा ।आज के खेलों के दौरान समस्त छात्र/छात्राओं को खेल स्तर द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्र/छात्राओं को मेडल पहनाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष महोदय जी ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करतें हुए खेल के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया । विद्यालय प्राचार्या श्रीमती गुरमीत कौर धंजल मैम के मार्गदर्शन में सफल रूप से आज का खेल कार्यक्रम संचालित हुआ ।

नगर के घरों तक पहुंच रहा खराब पानी

चांपा। नगर में टेप नल में खराब पानी की सप्लाई हो रही है। घर तक पहुंचने वाला पानी नाली के पानी से भी अधिक गंदा आ रहा है। पानी की स्थिति इतनी खराब है कि उसका उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हो सकता है। नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारियों को इस समस्या की कोई चिंता नहीं है। दूषित पानी के उपयोग से आमजन के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ने की आशंका है।

अनमोल वचन......

साहस का मतलब यह नहीं है कि आप डरें नहीं। साहस का मतलब है कि आप डर को अपने रास्ते में आने नहीं देते।

वंदे मातरम पर बहस

बेहतर होगा कि नेहरू और पूर्व तमाम सरकारों ने जो गलत किया उन पर दो अलग-अलग श्वेत पत्र निकाले जाएं। उससे देश अतीत में उलझी बहसों से बाहर निकल सकेगा। फिर आज की गंभीर समस्याओं पर ध्यान केंद्रित चर्चा हो सकेगी।

वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने, शायद कटाक्ष में, लेकिन सटीक सुझाव दिया। उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। गांधी ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के नेता लगातार जवाहर लाल नेहरू की गलतियां निकालते हैं। तो क्यों ना इस विषय पर सत्ता पक्ष के मनमुताबिक समय तय करते हुए संसद में पूरी चर्चा कर ली जाए। बल्कि सुझाव को आगे बढ़ाते हुए यह भी कहा जा सकता है कि संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसमें नरेंद्र मोदी सरकार के पहले की तमाम सरकारों की गलतियों पर खुल कर चर्चा हो। बेहतर तो यह होगा कि नेहरू और पूर्व तमाम सरकारों ने जो गलत किया या जो सही नहीं किया, उन पर दो अलग-अलग श्वेत पत्र निकाले।

उन श्वेत पत्रों को राष्ट्रीय अभिलेखागार में रख लिया जाए। लाभ यह होगा कि उसके बाद देश अतीत में उलझी बहसों से बाहर निकल सकेगा। फिर आज की गंभीर समस्याओं पर ध्यान केंद्रित चर्चा हो सकेगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कुछ रोज पहले एक दीक्षांत समारोह में कहा कि इस समय अमेरिका और चीन दोनों अपने मनमाफिक अंतरराष्ट्रीय नियम थोप रहे हैं। इसके बीच भारत मुश्किल में फंसा हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि 'पूर्व सरकारों ने भारत में औद्योगिक ढांचा बनाने पर ध्यान नहीं दिया।' जयशंकर ने कहा कि जिसके पास यह ताकत है, वह दुनिया पर प्रभुत्व जमा रहा है। तो जयशंकर ने आज की विफलताओं की भी पूरी जिम्मेदारी अतीत पर डाल दी।

जाहिर है, यह इस पूरी सरकार का नजरिया है। मगर देश के सामने सवाल है कि अतीत में जो हुआ, सो हुआ- अब क्या किया जाए। आखिर अतीत के सत्ताधारियों को जनता ने इसीलिए उनकी आज की हैसियत में पहुंचाया है, क्योंकि उन्होंने देश की अपेक्षाएं पूरी नहीं कीं। इनसे संबंधित सारी बातें सहज स्वीकार की जाएंगी। मगर इन व्यर्थ बहसों से देश को छुटकारा मिलना चाहिए। इसलिए एक बार पूरी बात हो जाए। मगर यह तभी संभव है, अगर वर्तमान सत्ताधारियों की मंशा तुच्छ सियासत से ना प्रेरित हो। ऐसा नहीं है, यह साबित करने का दायित्व उन पर ही है।

राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। आज मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं, इससे आपको आनंद की प्राप्ति होगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों के लिए आज का दिन सामाजिक कार्यों में लगा रहेगा। सामाजिक सुधार के कारण आपके पड़ोसी आपकी तारीफ कर सकते हैं और साथ ही आपका पूरा साथ देंगे। घर में लक्ष्मी के रूप में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों के लिए आज का दिन धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। धर्म के सिलसिले में किसी पंडाल में भी जा सकते हैं। कला के क्षेत्र में रुझान वालों के लिए आज का दिन रोमांचक रहने वाला है। व्यवसाय के सिलसिले में आज आपको अच्छे ऑफर आ सकते हैं।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन बेहतरीन होगा। पारिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हो। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का प्रमोशन हो सकता है।

कर्क राशिःकर्क राशि वालों के लिए आज का दिन बेहतरीन होगा। पारिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हो। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का प्रमोशन हो सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से हो जाएंगे। संगीत में रुझान वालों के लिए आज के दिन किसी बड़े शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप अपने स्कूल के दोस्तों के साथ कहीं बाहर जाने का प्लान बना सकते हैं।

तुला राशिः तुला राशि वालों के लिए आज का दिन लॉ के स्टूडेंट्स के लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। कॉलेज से मिले प्रोजेक्ट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा करने से आपके अच्छे मार्क्स प्राप्त हो सकते हैं। आज पेरेंट्स को अपने बच्चों के खान पान पर ध्यान दें।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन लवमेट वालों के लिए खुशनुमा रहने वाला है। ऑफिस के किसी काम में आ रही बाधाएं आज खत्म हो जाएंगी। विवाहित आज जीवनसाथी से ऐसा वादा न करें जो वे पूरा न कर सकें। इससे आप दोनों के रिश्ते में खटास आ सकती है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपकी नए कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठा करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों के लिए आज का दिन पूरा समय परिवार वालों के साथ बितेगा। परिवार वालों के साथ रात को बाहर डिनर पर भी जा सकते हैं। आज आपके मन में नए नए विचार आ सकते हैं, जिससे आपको आपके बिजनेस में काफी फायदा होने वाला है।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आएगा। अगर आप नयी जमीन लेने की सोच रहे हैं तो आज खरीद सकते हैं। इससे आपको भविष्य में फायदा जरूर होगा। उसका अच्छा परिणाम आपको जरूर मिलेगा। आज स्टूडेंट के लिए दिन अच्छा है।

मीन राशिः मीन राशि वालों के लिए आज का दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप उपयोगी वस्तु आज गिफ्ट कर सकते हैं।

भाजपा नेहरू विवाद को नहीं छोड़ने वाली

//अजीत द्विवेदी//

यह इतिहास से ज्यादा राजनीति का सवाल है भाजपा की नजर में पंडित जवाहरलाल नेहरू कितने बड़े नेता थे। भाजपा कभी उनको इतना बडा नेता बताती है जैसे आजादी से पहले और बाद के सारे फैसले उन्होंने अकेले किए तो कभी इतना छोटा नेता बताती है कि वे अपने लिए एक आदमी का समर्थन नहीं जुटा पाए! एक तरफ भारतीय जनता पार्टी बताती है कि नेहरू इतने बड़े नेता थे कि उन्होंने देश का विभाजन कराया, 'वोट चोरी' करके देश के पहले प्रधानमंत्री बने, संविधान में तमाम किस्म की गड़बड़ियां कराईं, भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं बनने दिया आदि आदि। लेकिन दूसरी ओर वही भाजपा कहती है कि नेहरू की इतनी हैसियत नहीं थी कि कांग्रेस की कोई प्रांतीय कमेटी अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव करे।

सवाल है कि जब नेहरू में इतनी भी ताकत नहीं थी कि कांग्रेस की 15 प्रांतीय कमेटियों में से किसी एक कमेटी से अपने नाम की सिफारिश करा सकें और सरदार वल्लभ भाई पटेल इतने शक्तिशाली थे कि 15 में से 12 कमेटियों ने उनके नाम की सिफारिश की तो देश के विभाजन का फैसले नेहरू ने कैसे कराया। अगर सबसे शक्तिशाली महात्मा गांधी और सरदार पटेल थे तो इसका मतलब यह है कि सारे फैसले उन दोनों ने कराए! भाजपा क्यों नहीं कहती है कि देश के विभाजन से लेकर भारत के हिंदू राष्ट नहीं बनने तक और संविधान की गड़बड़ियों से लेकर कश्मीर के विवाद तक सबके लिए जिम्मेदार गांधी और पटेल थे, जो कांग्रेस और देश के सबसे बड़े नेता भी थे।

तभी आजादी से ठीक पहले और तुरंत बाद पंडित नेहरू की क्या स्थिति थी इसको समझने के लिए तीन कहानियां सुनने की जरुरत हैः

पहली कहानी भाजपा को बहुत पसंद है। संसद में भी वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुनाई थी और कहा था कि 'वोट चोरी' करके नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। वह कहानी असल में ऐसी है कि 1940 से लेकर 1946 तक मौलाना अबुल कलाम आजाद कांग्रेस के अध्यक्ष थे। दूसरे विश्वयुद्ध की वजह से कांग्रेस के अधिवेशन अनियमित हुए और मौलाना आजाद अध्यक्ष बने रहे थे। 1946 में जब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का फैसला हुआ तो उस समय तक तय हो गया था कि जो कांग्रेस का अध्यक्ष होगा वह अंतरिम सरकार का प्रमुख होगा। उस समय तीन दावेदार थे सरदार पटेल, आचार्य जेबी कृपलानी और पंडित नेहरू। इनके अलावा मौलाना आजादी भी अध्यक्ष बने रहना चाहते थे। हालांकि उनको चिट्ठी लिख कर महात्मा गांधी ने कह दिया था कि वे उनकी निरंतरता के पक्ष में नहीं हैं। महात्मा गांधी चाहते थे कि नेहरू अध्यक्ष बनें। लेकिन 15 में से 12 प्रांतीय कमेटियों ने सरदार पटेल का नाम भेजा।

संक्षेप में कहानी यह है कि गांधी की इच्छा का सम्मान करते हुए सरदार पटेल और कृपलानी दोनों मैदान से हटे और नेहरू कांग्रेस के अध्यक्ष बने। अध्यक्ष बनने के एक महीने के बाद वायसराय ने उनको अंतरिम सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। जाहिर है नेहरू अपनी ताकत से अध्यक्ष नहीं बने थे और यह भी जाहिर है कि अगर कोई 'वोट चोरी' हुई थी तो वह उन्होंने नहीं की थी। वह तो गांधी थे, जिन्होंने प्रांतीय कमेटियों की सिफारिशों को रद्दी में डाला और नेहरू को अध्यक्ष बनवाया। तभी सवाल है कि प्रधानमंत्री हों या केंद्रीय गृह मंत्री या दूसरे भाजपा नेता वे इस बात को इसी रूप में क्यों नहीं कहते हैं। वे गांधी को जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराते हैं। दूसरी कहानी आजादी के बाद 1950 के कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की है। ध्यान रहे अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के बाद नेहरू ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और चूंकि सरदार पटेल उप प्रधानमंत्री बने थे तो अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दो साल आचार्य जेबी कृपलानी ने संभाली। उसके बाद दो साल पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस अध्यक्ष रहे। फिर 1950 का चुनाव आया, जो आजादी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का सबसे चर्चित चुनाव रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आचार्य जेबी कृपलानी को अपने उम्मीदवार के तौर पर पेश किया और दूसरी ओर राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन उम्मीदवार बन गए। उनको सरदार पटेल का समर्थन था। घमासान मुकाबले में राजर्षि टंडन ने आचार्य कृपलानी को हरा दिया। यानी सरदार पटेल के उम्मीदवार ने पंडित नेहरू के उम्मीदवार को हरा दिया। इसका मतलब है कि चार साल तक प्रधानमंत्री रहने के बावजूद कांग्रेस में नेहरू की ऐसी हैसियत नहीं बनी थी कि वे सरदार पटेल से जीत सकें। अब सोचें इस चार साल की अवधि के सारे फैसलों के लिए भी अकेले नेहरू को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जबकि उस अवधि में भी सबसे ताकतवर पटेल थे। उनको देशी रियासतों के विलय का श्रेय दिया जाता है। लेकिन बाकी गड़बड़ियों का ठीकरा नेहरू के सर फोड़ा जाता है! क्या इन चार वर्षों के तमाम फैसलों के लिए सरदार पटेल बराबर के या कुछ ज्यादा के जिम्मेदार नहीं थे।

तीसरी कहानी देश के पहले और दूसरे राष्ट्रपति के चुनाव की है। संविधान सभा के अध्यक्ष के नाते डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद कार्यकारी राष्ट्रपति थे। आजाद भारत में राष्ट्रपति का पहला चुनाव फरवरी 1952 में हुआ। तब तक सरदार पटेल का निधन हो चुका था। प्रधानमंत्री नेहरू की पसंद चक्रवर्ती सी राजगोपालाचारी थे। वे चाहते थे कि दक्षिण भारत से किसी नेता को राष्ट्रपति बनाया जाए। उनको लग रहा था कि दक्षिण भारत के नेताओं का समर्थन राजगोलाचारी के नाम पर मिलेगा। लेकिन नेहरू उनके लिए समर्थन नहीं जुटा सके और उनकी इच्छा के विरूध राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति बने। दूसरी बार 1957 में भी नेहरू ने उनकी जगह उप राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन को राष्ट्रपति बनाना चाहा लेकिन तब भी कामयाब नहीं हुए और राजेंद्र बाबू दूसरी बार राष्ट्रपति बने। सोचें, 1957 में 10 साल तक प्रधानमंत्री रहने के बाद भी नेहरू इतने ताकतवर नहीं थे कि अपनी पसंद से देश का राष्ट्रपति बनवा सकें!

ये तीनों कहानियां सही हैं और भाजपा को बहुत पसंद हैं। भाजपा के नेता अलग अलग कार्यक्रमों में इसमें खूब मिर्च मसाला लगा कर सुनाते भी हैं। अब सवाल है कि जब नेहरू में इतनी ताकत नहीं थी कि वे कांग्रेस की 15 कमेटियों में से एक भी समर्थन अपने लिए जुटा सकें तो फिर उन्होंने देश विभाजन का फैसला कैसे करवा दिया। देश विभाजन का फैसला भी तो उन लोगों ने करवाया होगा, जो ताकतवर थे, जिनको 12 कमेटियों का समर्थन मिला था या जिन्होंने 12 कमेटियों के समर्थन के बावजूद पटेल को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया? सबसे ताकतवर तो गांधी और पटेल थे, फिर देश विभाजन का ठीकरा उनके सर क्यों नहीं फूटता है? वहां क्यों या तो कांग्रेस कहा जाता है या नेहरू का नाम लिया जाता है? सोचें, सरदार पटेल ने चाह दिया तो नेहरू के उम्मीदवार जेबी कृपलानी को अध्यक्ष नहीं बनने दिया। उनको राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के हाथों हरवा दिया। फिर भारत के हिंदू राष्ट्र नहीं बनने या हिंदी स्वीकार नहीं किए जाने या कश्मीर मसला उलझने या दूसरे विवादों के लिए अकेले नेहरू कैसे जिम्मेदार हैं।

जो सबसे ज्यादा ताकतवर कांग्रेस नेता था उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। नेहरू अपनी पसंद से राष्ट्रपति नहीं बनवा सकते थे लेकिन भाजपा कहती है कि सारे फैसले वे कर रहे थे! क्या आज यह कल्पना की जा सकती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिसको चाहें उसको हरा कर कोई दूसरा व्यक्ति भाजपा का अध्यक्ष बन जाए या प्रधानमंत्री मोदी जिसको राष्ट्रपति बनाना चाहें उसकी बजाय कोई दूसरा बन जाए। इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन आजादी से तुरंत बाद ऐसा सच में हुआ था कि प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू अपनी पसंद का कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनवा पाए और अपनी पसंद का राष्ट्रपति नहीं बनवा पाए।

जाहिर है भाजपा आजादी से ठीक पहले या उसके ठीक बाद जाने अनजाने में हुई तमाम गड़बड़ियों का ठीकरा जान बूझकर, एक रणनीति के तहत नेहरू पर फोड़ती है और तमाम अच्छी बातों का श्रेय सरदार पटेल को देती है। असल में इसका तथ्य और तर्क से कोई लेना देना नहीं होता है। वह नेहरू विरोध के सहारे कांग्रेस विरोध की राजनीति करती है। जब तक नेहरू गांधी परिवार कांग्रेस के शीर्ष पर रहेगा, तब तक यह चलता रहेगा। प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद में कहा कि भाजपा समय तय करके एक बार में नेहरू के बारे में चर्चा कर ले और उसके बाद असली मुद्दों पर चर्चा करे। लेकिन चाहे वे जितना कहें भाजपा इस विवाद को नहीं छोड़ने वाली है। वह किसी भी गड़बड़ी के लिए कांग्रेस के सामूहिक नेतृत्व का नाम नहीं लेगी, गांधी और पटेल का नाम तो कतई नहीं लेगी।

परमाणु ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करना और साहसिक कदम उठाना

//आर. बी. ग्रोवर//

मानव विकास का संबंध ऊर्जा खपत से है। 1971 में साइंटिफिक अमेरिकन में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण शोध पत्र में, अर्ल कुक ने बताया कि आदिम मानव से लेकर आधुनिक तकनीकी मानव तक, प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत कैसे बढ़ती गई। आदिम मानव को केवल भोजन के लिए ऊर्जा चाहिए होती थी। शिकार के दौर में घर और व्यापार से जुड़ी ऊर्जा जरूरतें भी जुड़ गईं। जब मानव कृषि करने लगा, तो उद्योग, खेती और परिवहन के लिए भी ऊर्जा की मांग पैदा हुई। औद्योगिक और तकनीकी चरणों में भोजन, घर, व्यापार, कृषि और परिवहन के लिए ऊर्जा की जरूरत लगातार बढ़ती गई। वर्तमान समय डिजिटल तकनीकों का युग है, और अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण अतिरिक्त ऊर्जा की मांग करता है।

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मानव विकास का सटीक आकलन प्रस्तुत करता है। इसमें प्रति व्यक्ति आय, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे तीन महत्वपूर्ण संकेतक शामिल हैं। एचडीआई और प्रति व्यक्ति अंतिम ऊर्जा खपत (एफईसी) के बीच संबंध का उपयोग करके यह तय किया जा सकता है कि किसी खास एचडीआई स्तर तक पहुंचने के लिए कितनी ऊर्जा की जरूरत होगी। जी20 समूह का सदस्य होने के नाते भारत उन देशों के साथ खड़ा है, जिनका एचडीआई 0.9 से अधिक है।

हमारे अनुमानों के अनुसार, ऊर्जा दक्षता और अंतिम उपयोगों के विद्युतीकरण में और सुधार को ध्यान में रखते हुए, 0.9 तक पहुंचने के लिए भारत को प्रति वर्ष लगभग 24,000 टेरा-वाट-घंटे (टीडब्ल्यूएच) ऊर्जा उत्पन्न करने की आवश्यकता होगी (करंट साइंस, 2022, 122(5), 517-527)। इसमें से लगभग 60 प्रतिशत बिजली के रूप में इस्तेमाल होगी, जबकि शेष भाग का उपयोग इलेक्ट्रोलाइज़र में हाइड्रोजन बनाने के लिए किया जाएगा। हाइड्रोजन की जरूरत स्टील, उर्वरक, प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों को कार्बन मुक्त करने के लिए होती है। जब हाइड्रोजन उत्पादन की वैकल्पिक तकनीकें बड़े पैमाने पर विकसित हो जाएंगी, तो बिजली की आवश्यकता भी कम हो जाएगी।

2023-24 में बिजली उत्पादन लगभग 1950 टेरा-वाट-घंटे था, और हाल के वर्षों में सीएजीआर लगभग 4.8 प्रतिशत रहा है। इस स्तर पर विकास दर बनाए रखते हुए, चार से पांच दशकों में प्रति वर्ष 24,000 (टीडब्ल्यूएच) बिजली का उत्पादन संभव होगा। हालांकि, इसमें दो जटिलताएं हैं।

सबसे पहले, भारत को अपने ऊर्जा मिश्रण को कार्बन-मुक्त बनाना होगा। इसलिए बिजली उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ अंतिम उपयोगों का विद्युतीकरण और ऊर्जा मिश्रण का पुनर्गठन भी जरूरी है। वर्तमान में अंतिम ऊर्जा खपत (एफईसी) में बिजली की हिस्सेदारी लगभग 22 प्रतिशत है, जिसे काफी बढ़ाना होगा। आज का ऊर्जा मिश्रण मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर है, जबकि इन्हें ऐसे ऊर्जा स्रोतों से बदलना होगा जिनसे कार्बन उत्सर्जन न हो। इसका मतलब है कि भारत को जलविद्युत, परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा से अधिक बिजली पैदा करनी होगी।

भारत में जलविद्युत और पवन ऊर्जा की क्षमता सीमित है। देश की आबादी घनी है, इसलिए सौर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं के लिए बहुत बड़े भू-भाग को अलग करना आसान नहीं है। हालांकि जल, सौर और पवन ऊर्जा की पूरी क्षमता का उपयोग किया जाना चाहिए, लेकिन केवल ये स्रोत मिलकर भी 0.9 से अधिक एचडीआई हासिल करने के लिए जरूरी ऊर्जा स्तर उपलब्ध कराने में पर्याप्त नहीं हैं। इसलिए परमाणु ऊर्जा उत्पादन को तेजी से बढ़ाना होगा। जब तक यह लक्ष्य पूरा नहीं होता, तब तक भारत को कुछ हद तक जीवाश्म ईंधनों का उपयोग जारी रखना पड़ेगा।

दूसरे, सौर और पवन ऊर्जा अनियमित (अस्थिर) स्रोत हैं। सौर पैनलों और पवन चक्कियों से बनने वाली बिजली समय और मौसम के अनुसार बदलती रहती है। इसलिए बिजली की आपूर्ति को मांग के अनुरूप रखने के लिए, अधिक उत्पादन होने पर बिजली को संग्रहित करना और उत्पादन कम होने पर आपूर्ति बढ़ाना जरूरी होता है। बिजली का भंडारण महंगा है, और सौर व पवन ऊर्जा में मौसमी उतार-चढ़ाव को संभालने के लिए बड़े पैमाने पर भंडारण व्यवस्था करना बेहद खर्चीला है। उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए बिजली के मिश्रण में पर्याप्त बेस-लोड उत्पादन क्षमता होनी चाहिए, यानी ऐसी बिजली जो मौसम या दिन-रात पर निर्भर न हो। परमाणु बिजलीघर निरंतर बेस-लोड बिजली देते हैं, इसलिए कार्बन-मुक्त ऊर्जा मिश्रण में उनका शामिल होना आवश्यक है।

इस आवश्यकता को समझते हुए, परमाणु ऊर्जा विभाग की इकाइयां भारतीय उद्योग के सहयोग से परमाणु ऊर्जा का उपयोग इस तरह करने पर काम कर रही हैं कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला देश में ही विकसित हो। भारत में पर्याप्त यूरेनियम नहीं है, इसलिए केवल यूरेनियम का आयात करना पड़ता है। भारत ने परमाणु ईंधन तैयार करने, भारी पानी (हेवी वॉटर) बनाने और दाबित भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) के निर्माण के लिए जरूरी सभी उपकरणों की तकनीक विकसित कर ली है। न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने अलग-अलग क्षमता वाले पीएचडब्ल्यूआर के डिजाइन और संचालन में महारत हासिल कर ली है, जिनमें सबसे बड़ी क्षमता 700 मेगावाट की है। 700 मेगावाट की तीन इकाइयां पहले से ही काम कर रही हैं और चौथी इकाई लगभग पूरी हो चुकी है। दो और इकाइयां निर्माण के उन्नत चरण में हैं। वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने 700 मेगावाट क्षमता के दस पीएचडब्ल्यूआर के निर्माण को मंजूरी दी थी, और इन परियोजनाओं पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। 1980 के दशक में एक नियामक निकाय की स्थापना की गई थी, जिसने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को विनियमित करने की क्षमता विकसित की है। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने मूल्यवान सामग्रियों की पुनर्प्राप्ति के लिए प्रयुक्त परमाणु ईंधन के पुनर्संसाधन और परमाणु अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकियां विकसित की हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, परमाणु ऊर्जा उत्पादन भारत के लिए तकनीकी रूप से व्यवहार्य, किफायती और सुरक्षित विकल्प है।

इन सफलताओं से केंद्र सरकार को प्रेरणा मिली है कि वह सदी के मध्य तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य तय करे। संसद के दोनों सदनों ने ÷सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल, 2025÷ पास कर दिया है। यह बिल एक व्यापक कानून है, जिसमें 1962 के एटॉमिक एनर्जी एक्ट और 2010 के सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट के प्रावधानों को जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड को इस कानून के तहत गठित माना जाएगा। बिल यह भी सुनिश्चित करता है कि किसी भी परमाणु संयंत्र की सुरक्षा, संरक्षा और निगरानी की प्राथमिक जिम्मेदारी उस संयंत्र के लाइसेंसधारी पर होगी। परमाणु ऊर्जा के लिए तय किया गया लक्ष्य बहुत बड़ा है। संसद से पारित यह बिल एक साहसिक कदम है। भारत को विकसित देश बनने के लिए ऐसे बड़े लक्ष्य और साहसी कदमों की आवश्यकता है।

तस्वीरों की दुनिया

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का लखनऊ में नवनिर्वाचित उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असम के माजुली जिले में जल जीवन मिशन की कथित नाकामियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन की पहली समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया।

भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के साथ डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी भवन, नामपल्ली, हैदराबाद में तेलुगु अभिनेत्री आमानी का भाजपा में गर्मजोशी से स्वागत किया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 22वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के गुवाहाटी पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया।

असम को पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की रची गई थी साजिश , घुसपैठियों को बचाने में लगे हुए हैं देशद्रोही : मोदी

गुवाहाटी, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर अपने शासनकाल के दौरान असम और पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार उन गलतियों को सुधार रही है, जो कांग्रेस दशकों से इस क्षेत्र में करती आ रही थी। गुवाहाटी की एक रैली में मोदी ने कांग्रेस पर हमला करने के लिए इतिहास के भी कुछ पन्ने पलटे। कहा कि स्वतंत्रता से पहले जब मुस्लिम लीग और ब्रिटिश भारत के विभाजन की तैयारी कर रहे थे, तब असम को पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिश रची गई थी। कांग्रेस भी इस साजिश का हिस्सा बनने वाली थी। यह गोपीनाथ बोरदोलोई ही थे, जिन्होंने अपनी ही पार्टी के खिलाफ खड़े होकर असम की पहचान को नष्ट करने की साजिश का विरोध किया और असम को देश से अलग होने से बचाया। गुवाहाटी हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घुसपैठिये चुनाव प्रक्रिया से बाहर रहें। केंद्र घुसपैठ रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहा है। लेकिन, देशद्रोही इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा घुसपैठियों को हटाने का निर्देश दिए जाने के बावजूद विपक्ष खुलेआम राष्ट्रविरोधी एजेंडा अपना रहा है। ये पार्टियां घुसपैठियों के बचाव में बयान जारी कर रही हैं और उनके वकील अदालत में उनसे समझौता करने की गुहार लगा रहे हैं। राष्ट्रविरोधी मानसिकता राज्य में अशांति को फिर से जन्म दे सकती है। इसलिए जनता को सतर्क रहना, एकजुट रहना और विपक्ष की साजिशों को विफल करना आवश्यक है।मोदी ने आरोप लगाया कि असम और पूर्वोत्तर का विकास कभी भी कांग्रेस के एजेंडे का हिस्सा नहीं था। कांग्रेस ने उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया, जिन्होंने जंगलों और जमीनों पर कब्जा कर लिया। इससे असम की सुरक्षा और पहचान को खतरा पैदा हो गया।भाजपा सरकार पूर्वोत्तर में दशकों से कांग्रेस द्वारा की जा रही गलतियों को सुधार रही है। भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार के तहत असम में विकास उसी तरह निरंतर जारी है, जैसे शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र नदी का प्रवाह। असम की धरती से मेरा लगाव मुझे प्रेरित करता है। मुझे क्षेत्र के विकास के लिए शक्ति देता है।कोलकाता से राज्य ब्यूरो के अनुसार, पीएम मोदी ने भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे नदिया जिले के ताहेरपुर में भाजपा की परिवर्तन संकल्प जनसभा को कोलकाता हवाई अड्डे से वर्चुअली संबोधित किया।अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि जिस तरह बिहार की जनता ने विकास के लिए जंगलराज को नकार दिया, उसी तरह अब बंगाल की बारी है। देश तेजी से विकास चाहता है। बिहार ने 20 साल बाद भी भाजपा-राजग को भारी जनादेश दिया है। बिहार चुनाव के परिणामों ने बंगाल में भाजपा की जीत के द्वार खोल दिए हैं। गंगाजी बिहार से बहते हुए बंगाल पहुंचती हैं।

अब हमें बंगाल को महाजंगलराज से मुक्ति दिलानी है।पीएम मोदी ने कहा कि तृणमूल सरकार घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही है, जो बंगाल पर कब्जा करने पर तुले हुए हैं। इसी कारण वह एसआइआर का विरोध कर रही है। यहां घुसपैठियों को खुला संरक्षण हासिल है। मैंने इंटरनेट मीडिया पर देखा कि कुछ लोगों ने गो बैक मोदी के बोर्ड लगा रखे हैं। इससे बेहतर होता कि बंगाल की हर गली और खंभे पर गो बैक घुसपैठिए लिखा जाता।पीएम ने देर शाम एक्स पर पोस्ट के जरिये भी बंगाल को लेकर कई बातें रखीं। पीएम ने विशेषकर एसआइआर के कारण अपनी नागरिकता को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे शरणार्थी मतुआ समुदाय के लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा लागू किए गए नागरिकता संशोधन कानून के जरिये मतुआ को भारत में सम्मान के साथ रहने का अधिकार है। पीएम ने लिखा-मैं हर मतुआ और नामशूद्र परिवार को भरोसा दिलाता हूं कि हम हमेशा उनकी सेवा करेंगे। वे तृणमूल की कृपा से यहां नहीं हैं। पीएम मोदी ने गुवाहाटी में गोपीनाथ बोरदोलोई हवाई अड्डे पर 4000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नए टर्मिनल का उद्घाटन किया। यह देश का पहला प्रकृति-थीम वाला टर्मिनल है। पीएम ने टर्मिनल के बाहर बोरदोलोई की 80 फीट ऊंची प्रतिमा का भी अनावरण किया।

बंगाल फतह की पूरी तैयारी में भाजपा, पीएम के बाद अब बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे अमित शाह

कोलकाता, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

बंगाल में कुछ माह बाद होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के लक्ष्य के साथ पार्टी के शीर्ष नेताओं के दौरों का सिलसिला अब तेज होने जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शनिवार को नदिया जिले के ताहेरपुर (राणाघाट) में जनसभा के बाद अब साल के अंत में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। प्रदेश भाजपा के सूत्रों के अनुसार, अगर सबकुछ ठीक रहा तो गृह मंत्री 29 और 30 दिसंबर को कोलकाता के दौरे पर रहेंगे। बताया गया कि इस दौरे में शाह राज्य के भाजपा नेताओं के साथ सांगठनिक बैठकें कर चुनावी तैयारियों, विशेषकर बूथ स्तर की मजबूती और संगठनात्मक समन्वय की समीक्षा करेंगे। वहीं, नए साल के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री का अगला पड़ाव उत्तर बंगाल होगा। शनिवार को लेकर पीएम इस साल अब तक पांच बार बंगाल के दौरे पर आ चुके हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत उत्तर बंगाल के प्रवास के बाद दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को कोलकाता पहुंचे हैं।

यह भी एक संयोग ही था कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो दूसरी ओर संघ प्रमुख एक ही दिन कोलकाता में थे।सूत्रों के अनुसार शनिवार को मोहन भागवत ने कोलकाता में संघ के विभिन्न अनुषांगिक संगठनों और पदाधिकारियों के साथ आंतरिक और संगठनात्मक बैठक की, जिसमें बंगाल में संघ के कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ सांगठनिक मजबूती पर चर्चा की गई। इसके बाद उन्होंने कोलकाता के प्रबुद्ध वर्ग और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों से भी मिले।रविवार को उनका प्रमुख कार्यक्रम है। कोलकाता के साइंस सिटी आडिटोरियम में संघ के 100वें वर्ष (शताब्दी वर्ष) के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लगें। खबर है कि रविवार को वे साइंस सिटी में दो सत्रों को संबोधित करेंगे।उनका पहला संबोधन संघ की 100 वर्षों की यात्रा और व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित होगा। दूसरा संबोधन एक एकजुट हिंदू समाज और वैभवशाली भारत के भविष्य के लक्ष्य पर होगा।वे कार्यक्रम के दौरान कोलकाता के प्रबुद्ध वर्ग के साथ भी चर्चा करेंगे। बताते चलें कि यह आयोजन आरएसएस के शताब्दी वर्ष (100वें वर्ष) के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

TMC छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुई मुर्शिदाबाद में जिला परिषद सदस्य शहनाज हुमायूं, अधीर रंजन ने किया पार्टी में शामिल

कोलकाता, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

मुर्शिदाबाद में जिला परिषद की सदस्य शहनाज बेगम शनिवार को तृणमूल कांग्रेस छोड़कर वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी का हाथ पकड़कर कांग्रेस में शामिल हो गईं। बहरमपुर स्थित जिला कांग्रेस के कार्यालय में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पांच बार के पूर्व सांसद अधीर ने उन्हें कांग्रेस का झंडा थमाकर पार्टी में शामिल कराया। शहनाज ने कांग्रेस में शामिल होते ही तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार निशाना साधा है।उन्होंने मुर्शिदाबाद जिला परिषद के कामकाज के तरीके और पारदर्शिता पर सवाल उठाए। शहनाज ने आरोप लगाया कि जिला परिषद में लंबे समय से भ्रष्टाचार चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि इसकी शिकायत उन्होंने बार-बार तृणमूल नेतृत्व से की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उनके शब्दों में, मैंने कई बार पार्टी के टाप लेवल और प्रशासनिक बैठकों में भ्रष्टाचार के बारे में बताया। लेकिन कोई हल नहीं निकला। उन्होंने कहा कि मेरे लिए ऐसी पार्टी में रहना मुमकिन नहीं है जो भ्रष्टाचार को बर्दाश्त करती हो। शहनाज ने दावा किया कि वह सत्ता के लालच में नहीं, बल्कि जनता की सेवा करने के लिए राजनीति में आई हैं।

इसके साथ ही उन्होंने भरतपुर से तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर का जिक्र करते हुए कहा कि 22 दिसंबर (जिस दिन हुमायूं द्वारा नई पार्टी की घोषणा की जाएगी) को लेकर बहुत कुछ कहा जा रहा है। जब 22 तारीख गुजर जाएगी, तो देखा जाएगा कि बहुत से लोग तृणमूल छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं बिना किसी काम्प्रोमाइज के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ती रहूंगी। जहां भी मुझे गड़बडियां दिखेंगी, मैं बोलूंगी। अगर जरूरत पड़ी, तो मैं शुरू से नई लड़ाई शुरू करने के लिए तैयार हूं। वहीं, अधीर ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि शहनाज बेगम के तृणमूल कांग्रेस छोड़कर आना इस बात का सबूत है कि लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े हो रहे हैं।

हिंदू-मुस्लिम में दंगा कराने की कोशिश कर रहीं ममता बनर्जी, बंगाल सीएम की इस बात पर चुप्पी से भड़की भाजपा

कोलकाता, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

भाजपा ने बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी पर हिंदू-मुस्लिम में दंगा कराने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने तृणमूल विधायक मदन मित्रा के भगवान राम को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर ममता की चुप्पी पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि ममता के निर्देश पर ही तृणमूल नेता एक समुदाय को खुश करने के लिए हिंदू देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। मदन मित्रा ने श्रीराम को मुस्लिम करार दिया था। भाटिया ने प्रश्न किया कि ममता ने मदन मित्रा को पार्टी से बर्खास्त क्यों नहीं किया। उनके विरुद्ध प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि ममता हिंदू-मुस्लिम में दंगा कराने की कोशिश कर रही हैं।बंगाल भाजपा ने अपने एक्स हैंडल पर गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले के कमरहट्टी से विधायक मदन मित्रा के भाषण का वीडियो साझा करते हुए इसे हिंदू भावनाओं का अपमान बताया है।

साझा किए गए वीडियो में मित्रा को एक सार्वजनिक सभा में भगवान राम पर विवादित टिप्पणी करते सुना जा सकता है। प्रदेश भाजपा ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा- हमारी संस्कृति और इतिहास का यह लगातार अपमान है। यह अवैध बांग्लादेशियों को एक साफ संदेश है कि टीएससी सबसे हिंदू-विरोधी पार्टी है, और इसलिए उनके विश्वासों का प्रतिनिधित्व करती है। भाजपा ने टीएससी को मित्रा के खिलाफ कार्रवाई करने की चुनौती भी दी।

ओबीसी वर्ग को बड़ा तोहफा, अब परिवहन विभाग मुफ्त में सिखाएगा ड्राइविंग

देहरादून। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में परिवहन विभाग ने एक अहम कदम उठाया है। झाझरा स्थित इंस्टीट्यूट आफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर (आइडीटीआर) में अब अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों को भी निश्शुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया जाएगा। अब तक यह योजना एससी एवं एसटी वर्ग के लिए संचालित की जा रही थी। वर्ष 2024 से अब तक 464 अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी इस प्रशिक्षण का लाभ उठा चुके हैं। परिवहन विभाग ने सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इसका विस्तार ओबीसी वर्ग तक करने का निर्णय लिया है। झाझरा स्थित आइडीटीआर में मारुति कंपनी के सहयोग से यह प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है।

सरकारी अस्पतालों की बदहाली पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

स्वास्थ्य सचिव और RML अस्पताल के MS को कोर्ट में पेशी के आदेश

नईदिल्ली, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

दिल्ली हाई कोर्ट ने राजधानी के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं में देरी और अव्यवस्थाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सचिव और आरएमएल अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को अगली सुनवाई पर कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि आईसीयू, इमरजेंसी और रेडियोलाजी जैसी बुनियादी सेवाओं में देरी अस्वीकार्य है। हाई कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख सात जनवरी 2026 तय की है और तब तक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि नेक्स जेन ई- हास्पिटल सिस्टम और अन्य डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के लागू होने में काफी देरी हुई है, जिससे मरीजों की जान को खतरा पैदा हो रहा है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि सरकार सिर्फ कंसल्टेंट नियुक्त करने और प्रक्रियाओं में उलझी हुई है, जबकि मरीज अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं।कोर्ट ने कहा कि डा. एसके सरीन कमेटी की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाए। वहीं, गरीब मरीजों के इलाज के लिए ईडब्ल्यूएस आय सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी कोर्ट ने कहा कि इसे जल्द मंजूरी दी जाए।

हिंदू विकास दर कम उम्मीदों वाले कांग्रेस युग की विरासत थी

भारत की क्षमता को कम करके आंका गया: पीयूष गोयल

मुंबई। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को उन लोगों पर निशाना साधा, जिन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि को केवल 4-4.5 प्रतिशत तक सीमित समझा।उन्होंने विश्व हिंदू आर्थिक फोरम 2025 में कहा कि अतीत में भारत की धीमी आर्थिक वृद्धि को हिंदू विकास दर कहा गया था। यह शब्द अर्थशास्त्री राज कृष्णा ने पिछली सदी के आठवें दशक के अंत में गढ़ा था। यह आजादी के बाद 1950 से 1980 के बीच तीन से चार प्रतिशत की औसत जीडीपी वृद्धि को दर्शाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व की कांग्रेस और कांग्रेस-नेतृत्व वाली संप्रग सरकारों के दौरान यह धारणा बन गई थी कि सरकार चाहे जो हो, देश 4 से 4.5 प्रतिशत की दर से तेज नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा- भारत की क्षमता को कम करके आंका गया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अगले दो-तीन वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के 2014 के अनुमान का खंडन करते हुए कहा कि यह परिवर्तन 30 वर्षों में भी नहीं होगा। गोयल ने कहा- 2044 तक हम संभवतः 25-30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेंगे। हमारा विकसित भारत 2047 का सपना 30 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था बनना है। 2004-2014 की संप्रग सरकार पर कटाक्ष करते हुए केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि उन्होंने भारत की आर्थिक और महंगाई की स्थिति को कमजोर किया। गोयल ने कहा कि हमने उन्हें चार प्रतिशत महंगाई और आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दी जबकि 2004 से 2014 के बीच यह उलटा था यानी चार प्रतिशत विकास दर और आठ प्रतिशत महंगाई। उन्होंने कुछ बड़े घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि संप्रग काल के दस वर्षों के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का स्तर अपने चरम पर था। उन्होंने भारत के हाल के व्यापार समझौतों को आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान से भरा बताया।

बदमाशों ने पार्षद के ढाबे पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का किया प्रयास, बड़ा हादसा टला

जालंधर। जालंधर के गढ़ा चौक स्थित पार्षद पति कृपाल पाली के ढाबे पर शुक्रवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नशे में चूर दो युवकों ने पेट्रोल से भरे लिफाफे फेंककर आग लगाने का प्रयास किया और मौके से फरार हो गए।गनीमत यह रही कि समय रहते आग नहीं लगी, जिससे ढाबे का सामान और वहां मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। ढाबे पर मौजूद पार्षद पतिकृपाल पाली के भतीजे लक्की ने बताया कि रात करीब 9 बजे वह ढाबे पर बैठा था। इसी दौरान एक्टिवा पर सवार दो युवक वहां पहुंचे और एक लाटरी स्टाल के बारे में पूछताछ करने लगे।जब उन्हें इस बारे में जानकारी न होने की बात कही गई तो युवक ढाबे पर मौजूद लड़की से बदतमिजी और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने हाथापाई की और वहां से भाग गए। कुछ समय बाद दोनों युवक दोबारा लौटे और लिफाफों में पेट्रोल भरकर ढाबे की ओर फेंकते हुए आग लगाने का प्रयास किया।

मंत्री ने किया चीनी मिल का औचक निरीक्षण

MD समेत दर्जनभर अधिकारी-कर्मचारी गायब, थमाया कारण बताओ नोटिस

करनाल। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डा अरविंद शर्मा ने करनाल सहकारी चीनी मिल का औचक निरीक्षण करते हुए गैरहाजिर पाए जाने पर चीनी मिल प्रबंध निदेशक समेत 11 अधिकारियों, कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि चीनी मिल का पेराई सीजन किसानों के लिए त्योहार होता है और ऐसे समय में किसी भी अधिकारी, कर्मचारी द्वारा बरती गई लापरवाही को बख्शा नहीं जाएगा।शनिवार को दोपहर बाद चंडीगढ़ से गोहाना लौट रहे सहकारिता मंत्री डा अरविंद शर्मा सहकारी चीनी मिल में पहुंचे। वहां उन्होंने सबसे पहले किसानों के बीच पहुंचते हुए फीडबैक लिया। किसानों द्वारा मिल परिसर में ट्रैक्टर-ट्राली से गन्ना लाने के रास्ते के जर्जर होने की जानकारी दी गई तो सहकारिता मंत्री ने तुरंत इस सड़क की स्पेशल रिपेयर करवाने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत कैबिनेट मंत्री डा अरविंद शर्मा प्रशासनिक परिसर में पहुंचे, जहां मिल प्रबंध निदेशक एचसीएस अदिति, तीन स्थायी व आठ अस्थायी अधिकारी, कर्मचारी गैरहाजिर पाए गए। उन्होंने तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए और कहा कि ऐसी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद कैबिनेट मंत्री द्वारा गन्ना पेराई की प्रक्रिया को देखते हुए मिल अधिकारियों, कर्मचारियों से फीडबैक लिया गया।यही नहीं, उन्होंने मिल परिसर में कार्यरत श्रमिकों के आर्थिक हितों को लेकर भी किसी प्रकार की कोताही न होने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री डा अरविंद शर्मा ने सोमवार को मिल संबंधी रिकार्ड चंडीगढ़ कार्यालय में तलब किया है, इसके लिए लेखापाल को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में बढ़ती ठंड और कोहरे से रेल यातायात बेहाल, ट्रेनों की लेटलतीफी से प्लेटफॉर्म पर ठिठुरने को मजबूर यात्री

नईदिल्ली, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

घने कोहरे और बढ़ते प्रदूषण ने रेल यातायात व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के विलंब और रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सर्द मौसम में घंटों तक प्लेटफार्म पर इंतजार करना यात्रियों के लिए मुश्किल भरा साबित हो रहा है। कोहरे में दृश्यता कम होने से कई ट्रेनें घंटों की देरी से स्टेशन पहुंच रही हैं, जबकि कुछ ट्रेनों को रद्द भी करना पड़ा है। इससे स्टेशन पर भीड़ बढ़ गई है और यात्रियों की प्रतीक्षा अवधि लंबी हो गई है। समय पर सूचना न मिलने से यात्रियों में नाराजगी भी देखी जा रही है।प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे यात्रियों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। कई यात्री कंबल ओढ़कर प्लेटफार्म पर ही लेटे नजर आए, जबकि कुछ यात्रियों के पास ठंड से बचाव के पर्याप्त साधन भी नहीं थे। प्रतीक्षा कक्षों के बाहर भी यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है।परिवार के साथ बनारस जा रहा हूं। ट्रेन के देर होने के कारण यहां जमीन पर परिवार के साथ सो रहा हूं। कंबल हल्का है ठंड भी लग रही है। उम्मीद नहीं थी कि ट्रेन देरी से आएगी। अब लग रहा है कि रात कहीं यहीं न गुजारनी पड़ जाए।-आकाशशनिवार को दिल्ली आने वाली 70 से अधिक ट्रेनें दो घंटे से ज्यादा की देरी से पहुंचीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लंबी दूरी की राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत, दुरंतो और हमसफर जैसी प्रमुख ट्रेनें भी समय पर नहीं चल सकीं।रेलवे सूत्रों के अनुसार नई दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस ढाई घंटे, नई दिल्ली-कालका शताब्दी दो घंटे और नई दिल्ली-राजेंद्र नगर राजधानी एक्सप्रेस दो घंटे की देरी से पहुंची। वहीं नई दिल्ली-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस साढ़े छह घंटे और नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे लेट रही।नई दिल्ली-कोलकाता राजधानी पौने चार घंटे, नई दिल्ली-सियालदह राजधानी सवा चार घंटे और नई दिल्ली-जम्मूतवी राजधानी सवा दो घंटे विलंब से चली। हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, हजरत निजामुद्दीन-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल राजधानी पौने दो घंटे और हजरत निजामुद्दीन-चेन्नई दुरंतो पौने चार घंटे देरी से रवाना हुई। आनंद विहार टर्मिनल से चलने वाली जयनगर गरीब रथ सवा चार घंटे, भागलपुर विक्रमशिला सवा दो घंटे और गया गरीब रथ दो घंटे लेट रही। इसके अलावा नई दिल्ली-दरभंगा सप्त क्रांति एक्सप्रेस पौने तीन घंटे, नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत दो घंटे और नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पांच घंटे विलंब से चली।

महिला डॉक्टर के 5 हत्यारों को हुई फांसी, नौकरानी ने प्रेमी और 3 बदमाशों के साथ मिलकर लिखी थी मर्डर की स्क्रिप्ट

कुरूक्षेत्र, 21 दिसम्बर [एजेंसी]।

फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शनिवार को महिला रोग विशेषज्ञ डा. विनिता अरोड़ा के पांच हत्यारों और डकैतों को फांसी की सजा सुनाई है। इनमें डाक्टर की नौकरानी पूनम, उसका प्रेमी विक्रम उर्फ विक्की और तीन अन्य शामिल हैं। डाक्टर के दो अन्य नौकर केतराम और उमेश को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया। यह वारदात 9 जनवरी 2023 की रात में हुई थी। डा. अतुल अरोड़ा ने पुलिस को बताया कि वह रात करीब 9.20 बजे माता-पिता के कमरे में थे। उन्हें पत्नी विनीता की चीख सुनाई दी। बाहर निकलते ही देखा कि दो बदमाश उनकी पत्नी के सिर पर पिस्तौल ताने हुए थे। बदमाशों ने उन्हें और उनके माता-पिता को बंधक बना लिया। इस दौरान डा. विनिता के सिर पर भारी वस्तु से हमला कर उनकी हत्या कर दी गई और बदमाश सोने-चांदी के गहने व करीब डेढ़ लाख रुपये लेकर फरार हो गए।

डा. अतुल अरोड़ा ने किसी तरह छत से कूदकर पड़ोस में पहुंचकर जान बचाई और शोर मचाया, लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे।पुलिस ने घर की नौकरानी पूनम को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो साजिश का पर्दाफाश हो गया। जांच में सामने आया कि टिटाना (कैथल) निवासी पूनम और उसके प्रेमी विक्रम ने पूरी वारदात की साजिश रची थी।

इस साजिश में कैथल के चीका निवासी विक्रमजीत उर्फ बिट्टू, हिसार के नारनौंद के सुनील कुमार और अलीगढ़ के भगवानगढ़ी गांव के मनीष कुमार को भी शामिल किया गया था। करीब तीन साल की सुनवाई के बाद जिला सेशन कोर्ट ने पूनम, विक्रम, विक्रमजीत, सुनील कुमार और मनीष कुमार को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई है।

सर्दियों में फलों का जूस पीने से हो सकते हैं ये 5 दुष्प्रभाव, जानें कैसे

सर्दियों में फलों के जूस का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, क्या आपको पता है कि सर्दियों में जूस का सेवन करने से कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। इस मौसम में फलों के जूस का सेवन करने से शरीर पर क्या असर पड़ता है, यह जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको सर्दियों में जूस पीने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में जानना जरूरी है।

पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं

सर्दियों में जूस पीने से पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। सर्दियों में जूस पीने से शरीर में ठंडक बनी रहती है, जिससे पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इससे आपको गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपको पहले से ही पेट से जुड़ी समस्याएं हैं तो सर्दियों में जूस का सेवन करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

वजन बढ़ना

सर्दियों में जूस पीने से वजन बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसका कारण है कि फलों में प्राकृतिक मीठापन होता है, जो कैलोरी का एक स्रोत है। अगर आप जूस के साथ-साथ अन्य उच्च कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ भी खाते हैं तो इसका आपके वजन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं तो फलों का जूस पीने से बचें।

दांतों में संवेदनशीलता होना

सर्दियों में जूस पीने से दांतों में संवेदनशीलता भी हो सकती है। इसका कारण है कि फलों में खट्टा तत्व होता है, जो दांतों की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे आपको दांतों में संवेदनशीलता और दर्द हो सकता है। अगर आपको पहले से ही दांतों में संवेदनशीलता है तो सर्दियों में जूस पीने से बचें। इसके अलावा आप दांतों की संवेदनशीलता को कम करने वाले टूथपेस्ट और माउथवॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नींद में खलल आना

फलों के जूस में प्राकृतिक मीठापन होता है, जो आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकती है और नींद में खलल डाल सकती है। अगर आप सोने से पहले फलों का जूस पीते हैं तो इससे आपकी नींद खराब हो सकती है। इसके अलावा फलों के जूस में कुछ ऐसे तत्व भी हो सकते हैं, जो आपको जगाए रख सकते हैं। इसलिए सोने से पहले फलों का जूस पीने से बचें।

एलर्जी होना

कुछ लोगों को फलों से एलर्जी हो सकती है। अगर आपको पहले से ही किसी खाद्य पदार्थ से एलर्जी है तो आपको फलों के जूस पीने से बचना चाहिए। फलों के जूस में मौजूद कुछ तत्व आपके शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए अगर आपको पहले से ही कोई एलर्जी है तो फलों के जूस न पिएं।

सर्दियों के दौरान हाथों की त्वचा को रूखा होने से बचाने के लिए बनाएं ये 5 स्क्रब

सर्दियों में मौसम में नमी कम हो जाती है, जिससे त्वचा सूखी हो जाती है, चाहे वह चेहरे की त्वचा हो या हाथ की, खासतौर से हाथों की त्वचा का सूखापन परेशानी का कारण बन सकता है क्योंकि हाथों की देखभाल करना थोड़ा मुश्किल होता है। आइए आज हम आपको ऐसे स्क्रब की विधि बताते हैं, जो आप घर पर आसानी से बना सकते हैं और इनका इस्तेमाल सूखे हाथों को ठीक करने में मदद कर सकता है।

चीनी और जैतून का तेल

चीनी और जैतून का तेल मिलाकर एक बेहतरीन हाथों का स्क्रब बनाया जा सकता है। इसके लिए 2 चम्मच चीनी को 1 चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने हाथों पर हल्के हाथों से रगड़ें और 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह स्क्रब मृत त्वचा को हटाने और हाथों को नमी देने में मदद करता है, जिससे आपके हाथ मुलायम और चमकदार बन सकते हैं।

कॉफी और नारियल का तेल

कॉफी और नारियल के तेल का मिश्रण एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर हो सकता है। इसके लिए 2 चम्मच कॉफी पाउडर को 1 चम्मच नारियल तेल के साथ मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। कॉफी में मौजूद कैफीन मृत त्वचा को हटाने में मदद करता है, जबकि नारियल तेल हाथों को मुलायम और चमकदार बनाता है।

समुद्री नमक और बादाम का तेल

समुद्री नमक में मौजूद खनिज तत्व त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं, जबकि बादाम तेल इसमें नमी बनाए रखता है। इसके लिए 2 चम्मच समुद्री नमक को 1 चम्मच बादाम तेल के साथ मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह स्क्रब हाथों की गहराई तक सफाई करता है और उन्हें मुलायम और चमकदार बनाता है।

नींबू का रस और शहद

नींबू का रस और शहद मिलाकर एक बेहतरीन हाथों का स्क्रब बनाया जा सकता है। इसके लिए 1 चम्मच नींबू का रस लेकर उसमें थोड़ा-सा शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ें। 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। नींबू में विटामिन-सी होता है, जो त्वचा को ताजगी देता है और शहद त्वचा को मुलायम बनाता है।

एवोकाडो और चीनी

एवोकाडो में मौजूद वसा त्वचा को पोषण देता है, जबकि चीनी एक्सफोलिएटर का काम करती है। इसके लिए आधा एवोकाडो लेकर उसे मैश कर लें, फिर उसमें थोड़ी चीनी मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ें। 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इन सभी स्क्रब्स का नियमित उपयोग करके आप अपने हाथों को सर्दियों के दौरान सूखे होने से बचा सकते हैं।

आंवला जूस का स्वाद पसंद नहीं आ रहा? स्वाद बढ़ाकर पीने के 5 आसान और हेल्दी तरीके

लंबे, घने बालों से लेकर ग्लोइंग और टाइट स्किन तक, आंवला संपूर्ण शरीर के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन ष्ट, एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स होते हैं। कच्चा आंवला खाने के बजाय उसका जूस पीना ज्यादा लाभकारी होता है, लेकिन कई लोगों को इसका तीखा और कसैला स्वाद पसंद नहीं आता। अगर आप भी आंवला जूस पीना चाहते हैं लेकिन स्वाद के कारण बचते हैं, तो चिंता न करें। यहां हम आपको आंवला जूस पीने के 5 आसान और स्वादिष्ट तरीके बता रहे हैं।

क्लासिक आंवला जूस सामग्री

आंवला
पानी
शहद या गुड़

विधि- आंवले को धोकर टुकड़ों में काट लें और बीज निकाल दें। अब इन्हें पानी के साथ ब्लेंड करें। तैयार मिश्रण को छानकर गिलास में निकालें और स्वाद के अनुसार शहद या गुड़ मिलाएं। यह क्लासिक आंवला जूस रोज़ाना पीने के लिए बेहतरीन है।

अदरक और आंवला जूस सामग्री

आंवला
अदरक
पानी
शहद या गुड़

विधि- आंवला और अदरक को बारीक काटकर थोड़े पानी के साथ ब्लेंड करें। मिश्रण को छान लें और शहद या गुड़ मिलाएं। यह जूस सर्दी-जुकाम, इम्युनिटी और पाचन के लिए फायदेमंद है।

आंवला और पुदीना जूस

सामग्री
आंवला
पानी
पुदीने के पत्ते
शहद या गुड़

विधि- आंवला और ताजे पुदीने के पत्तों को पानी के साथ ब्लेंड करें। मिश्रण को छानकर शहद या गुड़ मिलाएं। यह जूस स्वाद के साथ-साथ पेट को ठंडक भी देता है।

नींबू के साथ आंवला जूस

सामग्री
आंवला
पानी
नींबू का रस
शहद या गुड़

विधि- आंवला को पानी के साथ ब्लेंड कर छान लें। अब इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। यह जूस वजन घटाने और डिटॉक्स के लिए खास माना जाता है।

केला और आंवला स्मूदी

सामग्री
आंवला
केला
पालक
पानी
शहद

विधि- केला और पालक धोकर काट लें। सभी सामग्रियों को ब्लेंडर में डालकर स्मूद होने तक ब्लेंड करें। छानकर शहद मिलाएं और पोषक तत्वों से भरपूर इस स्मूदी का आनंद लें।

अगर आपको आंवला जूस का स्वाद पसंद नहीं आता, तो इन तरीकों से आप इसे स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाकर आसानी से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। रोज़ाना सुबह खाली पेट आंवला जूस पीना सेहत, स्किन और बालों के लिए बेहद लाभकारी होता है।

सर्दी में खून गाढ़ा क्यों होता है? लक्षण दिखें तो तुरंत उपचार करें

सर्दियों में खून गाढ़ा होने की समस्या आम है, जिसे नजरअंदाज करना खतरे से खाली नहीं होता अगर आपको पहले से ही खून गाढ़ा होने की समस्या है तो सर्दी में अपना खास ख्याल रखें।

सर्दी में खून गाढ़ा क्यों होता है?

ठंड के मौसम में शरीर का तापमान गिरने से रक्त नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं। पसीना कम आने और पानी कम पीने से शरीर में डिहाइड्रेशन हो जाता है, जिससे खून गाढ़ा (ञ्जद्धद्बष्द्म ड्ढद्यशश्वस्र) होने लगता है। इसके अलावा सर्दी में शारीरिक गतिविधि कम होना भी एक बड़ा कारण है।

किन लोगों को ज्यादा समस्या होती है?
हार्ट मरीज
हाई बीपी वाले
डायबिटीज के मरीज
बुजुर्ग
मोटापे से ग्रस्त लोग
जो लोग बहुत कम पानी पीते हैं।

इन लोगों में खून गाढ़ा होने से हार्ट अटैक, स्ट्रोक और ब्लड क्लॉट का खतरा बढ़ सकता है।

सर्दी में खून गाढ़ा होने पर क्या होता है?

सर्दियों में शरीर का तापमान गिरने से रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे खून का बहाव धीमा हो जाता है और खून अपेक्षाकृत गाढ़ा हो सकता है। ऐसी स्थिति में दिल को खून पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

खून गाढ़ा होने पर होने वाली समस्याएं
हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।
हाथ-पैरों में सुन्नपन, ठंडक और झनझनाहट
ब्लड क्लॉट (थक्का) बनने की संभावना
हाई बीपी वालों में ब्लड प्रेशर अनियंत्रित होनाथकान, सिरदर्द और चक्कर आना
खून को पतला और स्वस्थ कैसे रखें?
दिनभर पर्याप्त गुनगुना पानी पिएं।
लहसुन, अदरक, हल्दी को डाइट में शामिल करें।

पिंक बॉडीकॉन ड्रेस में नेहा मलिक के सिजलिंग लुक को देखकर फैंस का छूटा पसीना

नेहा मलिक भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्री में से एक हैं। उन्होंने अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। इन तस्वीरों में नेहा मलिक बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस लेटेस्ट लुक में नेहा ने कई सिजलिंग पोज दिए। नेहा का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। नेहा मलिक ने इस शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा गुलाबी रंग में सुंदर और शक्तिशाली।भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट एंड बोल्ड क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

कैंसर का पहला संकेत है पेट में जलन, इसे गैस समझने की ना करें गलती

पेट का कैंसर, दुनिया भर में पांचवा सबसे आम कैंसर है, यह वैश्विक स्तर पर कैंसर से संबंधित मौतों का तीसरा प्रमुख कारण है। कई लोग सोचते हैं कि गैस्ट्रिक अल्सर अपने आप पेट के कैंसर में बदल सकता है, लेकिन पेट का अल्सर और कैंसर वैसे तो अलग-अलग स्थितिया हैं। गैस्ट्रिक अल्सर एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें पेट या आंत की अंदरूनी परत में घाव या छाले हो जाते हैं। हालांकि, अल्सर अपने आप में कैंसर नहीं होता, अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह पेट के कैंसर का कारण बन सकता है।

गैस्ट्रिक अल्सर तब होता है, जब पेट में मौजूद गैस्ट्रिक जूस (एसिड)की अधिकता से पेट की अंदरूनी परत में घाव हो जाता है। इसके कारण व्यक्ति को पेट में जलन, दर्द, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याएं होती हैं। यह आमतौर पर H. pylori बैक्टीरिया संक्रमण, ज्यादा दर्द निवारक दवाओं का सेवन या धूम्रपान-शराब के कारण होता है।

पेट के अल्सर का सबसे बड़ा कारण H. pylori बैक्टीरिया होता है। यह बैक्टीरिया पेट की लाइनिंग को नुकसान पहुंचाता है और लंबे समय तक पेट में रहने से कोशिकाओं में बदलाव कर सकता है।

शब्द सामर्थ्य -264

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौंरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 263 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

पायल गेमिंग के सपोर्ट में आई अंजलि अरोड़ा, बयां किया अपना दर्द, कहा- आज भी हो रहा नुकसान

इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर पायल गेमिंग इन दिनों कथित एमएमएस के चलते सुर्खियों में हैं। बताया जाता है कि वायरल एमएमएस वीडियो में पायल गेमिंग हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया है कि यह एमएमएस उनका नहीं है। इस मामले पर अब एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा की प्रतिक्रिया सामने आई है। अंजलि अरोड़ा ने अपने साथ हुए इसी तरह के एक मामले को याद किया है। उनके मुताबिक ऐसे झूठ का दर्द लड़कियां वर्षों तक झेलती हैं जबकि इसे फैलाने वाले इसके बारे में नहीं सोचते हैं।

पायल गेमिंग के मामले को लेकर अंजलि अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। उन्होंने लिखा तीन साल पहले मैंने एक फेक एमएमएस वायरल होने का दर्द झेला था। वही चीजें आज पायल के साथ होता देख वह दर्द ताजा हो गया है। लोगों को एहसास नहीं कि उनकी प्रतिक्रिया कितनी नुकसान पहुंचाती है। उनके लिए यह एक मिनट का मनोरंजन है, लेकिन हमारे लिए यह वर्षों का दर्द बन जाता है। झूठे विवादों के चलते मुझे कई प्रोजेक्ट से निकाल दिया गया। आज भी मुझे इसका नुकसान झेलना पड़ रहा है।

अभिनेत्री ने आगे लिखा अभी भी मुझे मेरे कमेंट सेक्शन में दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। लोग गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वह यह नहीं सोचते कि मुझ पर इसका क्या असर पड़ेगा। यह परेशान करने वाली बात है कि लोग झूठी चीजों पर तुरंत यकीन कर लेते हैं। ऐसी मानसिकता बहुत खराब होती है। इसे सहा नहीं जा सकता। कोई भी महिला बिना आधार के झूठ झेलने की हकदार नहीं है।

अंजलि अरोड़ा सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। वह कई म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं। वह रियलिटी शो लॉकअप का हिस्सा रही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 13 मिलियन फॉलोवर्स हैं। कच्चा बादाम वाला उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिससे वह मशहूर हुईं। इसके बाद उनका कथित एमएमएस वायरल हुआ।

पायल गेमिंग का असली नाम पायल धरे है। वह गेमिंग वीडियो के अलावा लाइफस्टाइल कंटेंट बनाने के लिए जानी जाती हैं। कथित एमएमएस के वायरल होने पर उन्होंने कहा मैं ये बात साफ-साफ कहना चाहती हूं कि जो उस वीडियो में दिखाई दे रही है वो मैं नहीं हूं। उन्होंने इसे लेकर कानूनी लड़ाई लड़ने की भी बात कही है।

जिला अस्पताल में बाल स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

कोरिया। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के नोडल डॉक्टर अभय जुगल तिर्की, जिले के चिरायु दल के द्वारा चिन्हांकित बच्चों का एम एम आई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर एवं जिला अस्पताल बैकुंठपुर कोरिया के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क बाल हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन हुआ। गठित 6 स्वास्थ्य के लिए चिरायु की टीम लगातार साल भर आंगनबाड़ी केंद्र और विद्यालय में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण करती है कुल 25 हजार बच्चों में से 65 सस्पेक्टेड बच्चों का आज शिविर में रायपुर एमएमआई नारायण से कार्डियोलॉजिस्ट स्पेशलिस्ट के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

वाटर टीम ने आजीविका संवर्धन के साथ मनाया स्थापना दिवस

कोरिया बैकुंठपुर। वाटरशेड ऑर्गनाइजेशन ट्रस्ट (वाटर) का स्थापना दिवस छत्तीसगढ़ के सोनहत विकासखंड अंतर्गत घुघरा एवं सुंदरपुर गांवों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं परियोजना से जुड़े हितग्राहियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

कार्यक्रम की गरिमा सुंदरपुर सरपंच श्रीमान द्वारिका सिंह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा देवी सोनपकर, घुघरा सरपंच श्रीमती चंद्रावती , पूर्व जनपद अध्यक्ष कृष्णा राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्या श्रीमती शिवकुमारी तथा जनपद सदस्य/ सभापति श्रीमती अलेश्वरी की उपस्थिति से और बढ़ी। इस अवसर पर परियोजना गांवों के ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए जल संरक्षण, सतत कृषि एवं आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में वाटर द्वारा किए जा रहे कार्यों पर अपने अनुभव साझा किए। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में केक काटकर समारोह मनाया गया। अतिथियों ने वाटर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जल प्रबंधन एवं टिकाऊ कृषि से गांवों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। वोटर से परियोजना अधिकारी विनायक शर्मा, एग्रीकल्चर ऑफिसर अजय सिंह,सोशल ऑफिसर सुधान उपस्थित रहे।

यूनिसेफनोनी जोहार कार्यक्रम में जिले के ब्लॉक ओढ़गी

सूरजपुर। यूनिसेफ व एग्रिकॉन फाऊंडेशन द्वारा आयोजित नोनी जोहार 4.0 कार्यक्रम का आयोजन रायपुर के होटल बेबीलान इंटरनेशनल में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत 02 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है, जिसमें 15 जिलों (सुरजपुर, जांजगीर चांपा, जशपुर, बिलासपुर, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव, बस्तर, कोंडागांव, कबीरधाम, दंतेवाड़ा, बीजापुर, महासमुंद, सुकमा, कांकेर) के 10 से 15 सर्वश्रेष्ठ युवोदय वॉलेंटियर को अपनें ग्राम पंचायत या अपनें समाज में अच्छे कार्यों से बदलाव लाने पर चयन और सम्मानित किया जाएगा। इसी के तहत यूनिसेफ नोनी जोहार कार्यक्रम में सुरजपुर जिले के ब्लॉक ओढ़गी, सूरजपुर और भैयाथान से भी 10 युवोदय वोलिंटियर का चयन हुआ है।

वात रोगों से बचाव और वृद्धजनों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं

कोरिया बैकुंठपुर। आयुष विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा 19 दिसंबर शुक्रवार को पीपरपारा, तिलवनडांड (विकासखंड बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया) में वयोमित्र कार्यक्रम के तहत नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वातरोगों जैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस व मांसपेशीगत व्याधियों से बचाव व चिकित्सा, जन-जन तक आयुष सेवाओं का प्रसार, परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता, वृद्धजनों के स्वास्थ्य संरक्षण तथा मौसम अनुरूप आहार-विहार की जानकारी प्रदान करना था। शिविर में आयुष विभाग ने विभिन्न रोगों का आंकलन किया, सामान्य स्वास्थ्य जांच (बीपी, शुगर आदि) कराई, नि:शुल्क औषधियां वितरित कीं तथा संरक्षण हेतु योग की जानकारी दी गई साथ ही बढ़ती उम्र में रोगों से बचाव के उपाय भी साझा की गई।

गन्ना परिवहन पर प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

सूरजपुर। सूरजपुर कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिले के तहसील लटोरी अंतर्गत ग्राम कल्याणपुर में गन्ने के अवैध परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है की माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना केरता क्षेत्र अंतर्गत उत्पादित गन्ने को एक ट्रक में लोड कर पश्चिम बंगाल की ओर अवैध रूप से परिवहन किए जाने का प्रयास किया जा रहा था।सूचना मिलते ही एसडीएम सूरजपुर के निर्देशन में तहसीलदार लटोरी के सहयोग से नायब तहसीलदार लटोरी दिवाकर के नेतृत्व में राजस्व विभाग, मंडी विभाग सूरजपुर, पुलिस विभाग, गन्ना विभाग तथा शुगर फैक्ट्री केरता के प्रबंध संचालक एवं एमडी की उपस्थिति में संयुक्त टीम द्वारा मौके पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अवैध परिवहन की पुष्टि होने पर संबंधित ट्रक को रात्रि लगभग 01 बजे रोककर शुगर फैक्ट्री केरता ले जाया गया। तत्पश्चात ट्रक में लोड गन्ने को नियमानुसार संबंधित किसान के नाम से कारखाना परिसर में सुरक्षित रूप से खाली कराया गया। उक्त कार्रवाई से गन्ने के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि किसानों के हितों के संरक्षण तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों के पालन हेतु इस प्रकार की संयुक्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सुशासन सप्ताह पोड़ी बचरा में विशेष शिविर का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। भारत सरकार के 'सुशासन सप्ताह - प्रशासन गांव की ओर' अभियान के तहत जिले में शनिवार को ग्राम पंचायत पोड़ी (बचरा) में विकासखंड स्तरीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य थीम पर केंद्रित इस शिविर में विभिन्न विभागों ने योजनाओं की जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की गई एवं टीबी मरीजों को पोषण बैग व 3 आयुष्मान कार्ड वितरित किए। आयुष विभाग ने नि:शुल्क आयुष काढ़ा व दवाइयां बांटीं। कृषि विभाग ने 12 किसानों को मसूर के बीज दिए। एड्स मुक्त कोरिया बनाने हेतु एनएनएस वॉलेंटियर्स ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने शिविर में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा, लोगों की समस्याओं का समाधान ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। सभी को इसका लाभ लेना चाहिए। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने अभियान की जानकारी देते हुए कहा, शिविर में आए सभी लोग जागरूक हों, शासन की योजनाओं का लाभ लें और अन्य तक जानकारी पहुंचाएं। शासन जन समस्याओं के समाधान के लिए ही योजनाएं बनाता है। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने कहा, सरकार की मंशानुसार यह शिविर आयोजित किया गया है। सभी इसका लाभ उठाएं। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती स्नेहलता उदय, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ खैरवार, जनपद सदस्य इंद्रावती सिंह, ग्राम सरपंच पोड़ी श्रीमती सुशीला, खंधोरा सरपंच श्रीमती मेशवरी सिदार, जिल्हा सरपंच श्रीमती नंदेश्वरी सिंह, संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

23 तक जिले भर में पिलाई जायेगी पल्स पोलियो की दवाई

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. कपिल देव पैकरा, सिविल सर्जन डॉ अजय मरकाम जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ हर्षवर्धन शर्मा जिला कार्यक्रम प्रबंधक रा.स्वा.मि. संदीप नामदेव तथा अन्य अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर विकास खण्डों के ग्रामीण क्षेत्र एंव शहरी क्षेत्र में प्रचार प्रसार करने हेतु वाहनों को किया गया रवाना। जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 2025 का आयोजन जिले में 21 दिसम्बर 2025 को किया जा रहा है। जिसमें 21 को बूथ पर तथा 22 एवं 23 दिसम्बर 2025 घर.घर जाकर 0 से पांच वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। जिले में पल्स पोलियो अभियान हेतु लगभग 104660; एक लाख चार हजार छ: सौ साठ 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराख दी जायेगी। जिसके लिए 744 पोलियो बूथ पर 900 टीम तथा 2430 कर्मचारी निर्धारित स्थान पोलियो बूथ रेलवे स्टेशन हाट बजार, बस स्टैण्ड आदि स्थानों पर बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलायगे। पल्स पोलियो अभियान को सफ्ल बनाने हेतु जिले स्तर पर मॉनिटरिंग टीम करेंगे पूरे जिले का दौरा जिसमें डॉक्टर अजय मरकाम सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक समस्त विकासखंड ,डॉ हर्षवर्धन शर्मा टीकाकरण अधिकारी समस्त विकासखंड ,संदीप नामदेव जिला कार्यक्रम प्रबंधक समस्त विकासखंड,डॉ राजेश पैकरा डॉक्टर जसवंत दास ओडगी विकासखंड,विवेक सदन नाविक पीलेश्वर नवरंगे प्रतापपुर विकासखंडए श्रीमती शुभम श्रीवास्तव श्रीमती स्मृति चौबे सूरजपुर कंट्रोल रूम ,डॉ मितेश सिंह रश्मि मिश्रा रामानुज नगर विकासखंड, संदीप गुप्ता संजीत सिंह भैया थान विकासखंड , डॉ महेंद्र राजवाड़े सुरेश गुप्ता प्रेम नगर विकासखंड ,का दौरा कर पल्स पोलियो अभियान को सफ्ल बनाने हेतु निरीक्षण करेंगे।

नियम के विरूद्ध निर्धारित समय के उपरांत व तेज आवाज में बज रहे डीजे पर हुई कार्यवाही

सूरजपुर। विगत दिवस सूरजपुर मंगल भवन मे रात्रि के समय में निर्धारित समय के उपरांत तथा तीव्र गति से बज रहे डीजे पर राजस्व व पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्यवाही की। सूचना प्राप्त होने पर तहसीलदार सूर्यकांत साय पुलिस अमले के साथ स्थल पहुंचे और उन्होने डीजे के जब्ती की कार्यवाही करते हुए डीजे वाहन को कोतवाली थाने में के सुपुर्द किया। जिस पर कोलाहल अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसके साथ ही प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि डीजे का संचालन तय मानक व समयावधि के अनुरूप किया जाये।

प्रेमनगर विधायक की उपस्थिति में हुई विकासखण्ड स्तरीय समीक्षा बैठक

सूरजपुर। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी की अध्यक्षता में आज जनपद पंचायत के सभाकक्ष में विकासखण्ड स्तरीय समस्त विभागों की विभिन्न निर्माण कार्यां सहित अन्य जनहीतकारी योजनाओं के प्रगति के सबंध में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया था। जिसमें जिला पंचायत सदस्य नयन विजय सिरदार, जनपद पंचायत के अध्यक्ष फुलेष्वर सिरदार, जनपद सदस्य, जनप्रतिनिधि सर्व विभाग प्रमुख एंव जनपद पंचायत के सीईओ की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। बैठक में राजस्व विभाग, पंचायत एंव ग्रामीण विकास विभाग, विद्युत विभाग, चिकित्सा विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, सर्व शिक्षा अभियान, आदिवासी विभाग, कृषि विभाग, महिला एंव बाल विकास विभाग, मनरेगा (जी राम जी), चिकित्सा विभाग, खाद्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, वन विभाग, मछली पालन विभाग, के अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में समीक्षा किया गया। जनहीतकारी योजनाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए निर्देशित कर साथ ही अनुपस्थित विभाग के कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देशित किया गया।

बेहतर सुविधाओ के साथ धान खरीदी जारी

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में किसानों को पर्याप्त सुविधाओं के साथ धान खरीदी की जा रही है। अवैध धान के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। जिले के ग्राम करसी निवासी किसान अजय कुमार जयसवाल पिता सत्यनारायण जयसवाल ने मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन काटकर धान विक्रय किया। उन्होंने बताया कि टोकन प्राप्त करने की प्रक्रिया अब बेहद आसान हो गई है और किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए केवल एक धान खरीदी सत्र नहीं, बल्कि भरोसे, पारदर्शिता और सम्मान की नई शुरुआत बनकर सामने आया है।

शासकीय पॉलिटेक्निक चिरमिरी में प्रेरक मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला

एमसीबी। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और तनावमुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय पॉलिटेक्निक चिरमिरी में ' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ को मानसिक तनाव, चिंता और दैनिक जीवन के दबावों से निपटने के प्रभावी व व्यावहारिक उपायों से अवगत कराना रहा। कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. नम्रता चक्रवर्ती एवं प्रेरक वक्ता श्री राजेश कुमार विश्वकर्मा ने अपने विचार साझा किए। डॉ. नम्रता चक्रवर्ती ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित ध्यान, सकारात्मक सोच, आत्म-स्वीकृति और भावनात्मक संतुलन अपनाकर तनाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से सशक्त रहने और जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए सरल लेकिन प्रभावी उपाय बताए। वहीं राजेश कुमार विश्वकर्मा ने कार्य-दबाव प्रबंधन, समय प्रबंधन और आत्म-प्रेरणा जैसे विषयों पर व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारण, प्राथमिकता तय करना और आत्म-विश्वास के साथ आगे बढ़ना तनावमुक्त और सफल जीवन की कुंजी है। इस कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य श्री अमित कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनके मार्गदर्शन में यह कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर श्री गणेश कुमार साहू प्रभारी विभागाध्यक्ष सहित नमन अग्रवाल, आदर्श मिश्रा, वैभव नाथ झा, खुशबू मंडल एवं साधना साहू की भी सक्रिय उपस्थिति रही।

गांव के किसान कौशिल्या ने अपने खेत में उत्पादित धान बेचकर प्राप्त किया अनुभव

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए केवल धान खरीदी का एक औपचारिक सत्र नहीं, बल्कि भरोसे, पारदर्शिता और सम्मान से जुड़ा एक नया अनुभव बनकर सामने आया है। वर्षों से मेहनत करने वाले किसानों को जब उनकी उपज का सही मूल्य, समय पर भुगतान और सुव्यवस्थित व्यवस्था मिलती है, तो वही प्रक्रिया एक प्रेरक सफलता कहानी का रूप ले लेती है। ग्राम कंजिया की किसान कौशिल्या बाई ऐसी ही एक सशक्त और प्रेरणादायी उदाहरण हैं। कौशिल्या बाई एक साधारण महिला कृषक हैं, जिनका जीवन पूरी तरह कृषि पर निर्भर है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने हर वर्ष की तरह इस बार भी पूरे समर्पण और परिश्रम के साथ अपने खेतों में धान की फसल तैयार की। मौसम की अनिश्चितता, बढ़ती लागत और बाजार की चिंता उनके मन में अवश्य थी, किंतु छत्तीसगढ़ सरकार की किसान-हितैषी नीतियों ने उनके आत्मविश्वास को नई मजबूती प्रदान की। राज्य सरकार द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी तथा 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की घोषणा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया कि उनकी मेहनत का पूरा मूल्य उन्हें समय पर और सुरक्षित रूप से मिलेगा। निर्धारित तिथि पर टोकन प्राप्त होने के बाद कौशिल्या बाई अपना धान लेकर कंजिया उपार्जन केंद्र पहुँचीं। उपार्जन केंद्र पर पहुँचते ही उन्हें एक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान-हितैषी व्यवस्था का अनुभव हुआ। केंद्र पर बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की सुविधा और कर्मचारियों का सहयोगात्मक एवं संवेदनशील व्यवहार उनके लिए संतोषजनक रहा। धान की तौल डिजिटल तौल कांटे से की गई और फोटो अपलोड के माध्यम से सत्यापन कर पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया। कौशिल्या बाई ने बिना किसी परेशानी के 150 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। न उन्हें लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा और न ही किसी प्रकार की असुविधा का सामना करना पड़ा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि धान विक्रय की राशि सीधे उनके बैंक खाते में जमा होने की स्पष्ट और भरोसेमंद व्यवस्था रही, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा का अहसास हुआ।

स्वास्थ्य मंत्री ने पल्स पोलियो अभियान 2025 का किया शुभारंभ

एमसीबी। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान 2025 को सफ्लतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से दिनांक 17 दिसंबर 2025 को जिला स्तरीय पल्स पोलियो टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों विभागीय समन्वय लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति तथा मैदानी स्तर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग तीनों विकासखंडों के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित जिले के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ वासिक असदक के प्रतिनिधि द्वारा पल्स पोलियो अभियान से जुड़े तकनीकी पहलुओं माइक्रो प्लान निगरानी व्यवस्था एवं रिपोर्टिंग प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। 21 से 23 दिसंबर तक चलेगा अभियान 51 हजार बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खरे ने जानकारी दी कि जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 21 22 एवं 23 दिसंबर 2025 को संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 51 हजार बच्चों को पोलियो रोधी वैक्सीन की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यह अभियान माननीय स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में विशेष प्राथमिकता के साथ बड़े पैमाने पर संचालित किया जा रहा है ताकि जिले में शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके और कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। अभियान के प्रभावी संचालन हेतु जिले भर में 542 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं जहां 1723 स्वास्थ्य कर्मी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता एवं अन्य विभागीय कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक बूथ पर दवाइयों वैक्सीन कैरियर कोल्ड चेन व्यवस्था एवं अभिलेख संधारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही घर घर जाकर बच्चों को दवा पिलाने के लिए मोबाइल एवं ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है तथा बस स्टैंड रेलवे स्टेशन प्रमुख चौराहों हाट बाजार मेलों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर विशेष टीमें तैनात की जाएंगी ताकि यात्रा के दौरान कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से छूट न जाए। जनसहयोग से पोलियो मुक्त जिले की ओर मजबूत कदम बैठक में यह भी बताया गया कि अभियान के दौरान छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें कवर करने हेतु विशेष मॉनिटरिंग एवं सुपरविजन टीमों की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि चूंकि यह अभियान माननीय स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में बड़े स्तर पर संचालित किया जा रहा है इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाएं क्योंकि पोलियो जैसी गंभीर एवं अपंगता उत्पन्न करने वाली बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए यह अभियान अत्यंत आवश्यक है। अंत में जनप्रतिनिधियों समाजसेवी संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं मीडिया प्रतिनिधियों एवं आमजन से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफ्ल बनाने हेतु सक्रिय सहयोग की अपील की गई।

लालपुर में सुशासन सप्ताह पर लोगों की जनसमस्याओं को निपटाया प्रशासन ने

एमसीबी। भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी अभियान 'सुशासन सप्ताह - प्रशासन गांव की ओर' 2025 के तहत जिले में आज 20 दिसंबर 2025 को ग्राम पंचायत लालपुर में प्रथम विशेष शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अभियान 19 दिसंबर से 25 दिसंबर 2025 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य शासन-प्रशासन को सीधे गांव तक पहुंचाकर आम नागरिकों की शिकायतों, मांगों एवं समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। यह शिविर ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया।

शिविर की शुरुआत मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत के साथ की गई, जिसके पश्चात शिविर की औपचारिक कार्यवाही प्रारंभ हुई। शिविर में विभिन्न विभागों की सक्रिय सहभागिता रही और विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अलग-अलग स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं, प्रक्रियाओं एवं पात्रता की विस्तृत जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक शिविर में उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक समस्याएं संबंधित विभागों के समक्ष सीधे प्रस्तुत कीं। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जानकी बाई खुसरो, जनपद पंचायत सदस्य कविता, ग्राम पंचायत लालपुर की सरपंच श्रीमती उर्मिला सिंह, भलौर सरपंच श्री धर्मपाल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर का समन्वय मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह, जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ द्वारा किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया तथा जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव नहीं था, उनमें शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। पशुपालन विभाग द्वारा पशुधन संरक्षण, उपचार, टीकाकरण एवं आयवर्धन से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभाग ने बताया कि वर्तमान समय में खेती में ट्रैक्टरों के बढ़ते उपयोग के कारण देसी पशुओं की उपयोगिता कम होती जा रही है, जिसके चलते कई लोग पशुओं को सड़क किनारे छोड़ देते हैं, जिससे दुर्घटनाएं तथा जान-माल की हानि की घटनाएं बढ़ रही हैं। विभाग द्वारा कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उन्नत नस्ल विकास, दूध उत्पादन बढ़ाने, बकरा पालन एवं सूकर पालन योजनाओं की जानकारी दी गई तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लिए विशेष अनुदान योजनाओं के माध्यम से पशुपालन को स्थायी आजीविका का साधन बनाने पर जोर दिया गया। शिविर में विभागीय स्टॉल पर नि:शुल्क दवाइयां, पेट के कीड़े की दवा, बुखार की दवा एवं उपचार संबंधी जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम-आशा योजना, बीज उत्पादन कार्यक्रम, सहकारी समितियों के माध्यम से ऋण सुविधा तथा एग्री स्टैक एवं किसान पंजीयन से संबंधित जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि आधार कार्ड, बैंक खाता और मोबाइल नंबर का आपस में लिंक होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे किसी भी योजना का लाभ समय पर मिल सके। रबी फसल बीमा की अंतिम तिथि, बीज उत्पादन पर अधिक मूल्य प्राप्त करने की प्रक्रिया और किसान पंजीयन की अनिवार्यता पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। श्रम विभाग द्वारा निर्माण श्रमिकों के कल्याण से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। विभाग ने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना और मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए नि:शुल्क गणवेश एवं पुस्तक-कॉपी सहायता राशि योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना और मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु नि:शुल्क कोचिंग सहायता योजना की जानकारी देकर श्रमिक परिवारों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। श्रमिकों से अपील की गई कि वे अपना पंजीयन एवं नवीनीकरण समय पर कराएं, ताकि सभी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके। शिविर के दौरान कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 12 मांगों का निराकरण किया गया जबकि 1 समस्या को लंबित रखते हुए संबंधित विभाग को अग्रेषित किया गया। अधिकारियों द्वारा लंबित प्रकरण के शीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया गया। समग्र रूप से ग्राम पंचायत लालपुर में आयोजित यह प्रथम विशेष शिविर प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने, शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक प्रभावी, जनहितकारी और सार्थक पहल सिद्ध हुआ। 'सुशासन सप्ताह - प्रशासन गांव की ओर' अभियान के अंतर्गत आयोजित यह शिविर ग्राम स्तर पर सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस सुशासन सप्ताह के दौरान सभी विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

1578 बूथ में 5 साल तक के बच्चों को दी पोलियो की दवा

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अभियान का क्रियान्वयन

कोरबा। भारत सरकार के राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत पल्स पोलियो टीकाकरण के पहले चरण में आज 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा दी गई। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन की सेवाएं इस कार्य में प्राप्त हुई। प्रमुख स्थानों पर जनप्रतिनिधियों के द्वारा टीकाकरण का शुभारंभ किया गया। इस वर्ष सभी बूथ के कर्मियों को स्वास्थ्य विभाग प्रोत्साहन राशि देगा।

स्वास्थ्य विभाग ने सरकार से प्राप्त गाइडलाइन के हिसाब से इस अभियान का क्रियान्वयन जिले में किया। कुछ दिनों से स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस अभियान के लिए पर्याप्त प्रचार प्रसार किया गया ताकि लोग जागरुक हो। अभियान को देखते हुए अग्रिम रूप से आसपास के सेंटर्स में पोलियो ड्रॉप तो रिजर्व किया गया। आज सुबह 8 बजे से सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों के अलावा आंगनबाड़ी केंद्र, रेलवे स्टेशन बस स्टैंड, सामुदायिक भवन और सार्वजनिक स्थान पर बूथ बनाए गए। यहां पर मैदानी अमले के द्वारा बच्चों को पोलियो ड्रॉप दिए गए ताकि वह हर हाल में बेहतर रहे। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को लेकर जिले के शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में काफी उत्साह देखने को मिला। अभिभावकों ने अपने बच्चों को पोलिंग बूथ तक पहुंचा और अभियान से लाभान्वित किया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि हमारा लक्ष्य आज की तारीख में ही 5 वर्ष तक के एक

लाख 72 हजार 423 बच्चों को पोलियो की दवा दिलाई जानी है। फिर भी अन्य स्थिति में आज जो बच्चे छूटेंगे, उन्हें अगले दो दिन में घर पहुंच कर यह सेवा दी जाएगी। देवांगनपारा वार्ड क्र.5 के एक बुथ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लाजवंती दीवान, मितानीन कृष्णा देवांगन, एएनएम सुधा बंसोड़, नर्सिंग छात्रा नमिता यादव व आशा मिंज ने दवा पिलाई।

3840 कर्मियों की मिली सेवाएं

जिले में पल्स पोलियो टीकाकरण को आज क्रियान्वित करने के लिए कुल 3840 मानव संसाधन का उपयोग किया गया। प्रत्येक बूथ पर व्यवस्था बेहतर करने के लिए इन्हें डिप्लॉय किया गया। अभियान में कुछ सामाजिक संगठन ने भी अपने सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य विभाग

का सहयोग किया।

पड़ोसी देश में नए केस इसलिए सतर्कता

वर्ष 2011 के बाद भारत में पल्स पोलियो के कोई भी नए मामले नहीं आए हैं। अब तक यही स्थिति है। लेकिन भारत के अगल-बगल के देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के नए केस लगातार आ रहे हैं इसलिए भारत ने सतर्कता रखी है। इसलिए प्रतिवर्ष सभी क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से पल्स पोलियो टीकाकरण के अभियान पर जोर दिया गया है ताकि खतरों को दूर किया जा सके।

डॉ पुष्पेश कुमार,
मेडिकल ऑफिसर जिला अस्पताल

खतरनाक दंतैल पहुंचा गेराव, क्षेत्र में हड़कम्प

कोरबा। जिले के कटघोरा एवं कोरबा वनमंडल में तीन ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें मौत की नींद सुलाने वाला खतरनाक दंतैल हाथी अब कोरबा रेंज के गेराव पहुंच गया है। खतरनाक हाथी के क्षेत्र में पहुंचने से ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया है। वहीं वन विभाग द्वारा उसकी निगरानी बढ़ा दी गई है। दंतैल हाथी की निगरानी में ड्रोन कैमरे के अलावा मैदानी अमले को लगाया गया है, जो लगातार दंतैल की गतिविधियों की जानकारी अधिकारियों को दे रहे है। वहीं आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क करने का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू कर दिया गया है। इससे पहले यह दंतैल बालको रेंज के केसला क्षेत्र में कल दिनभर घुमता रहा। इस दौरान वन विभाग ने कॉफी पाईंट जाने वाले मार्ग को बंद कर लोगों की आवाजाही रोक दी थी। शाम होने के बाद दंतैल आगे बढ़ा और रात में जंगल ही जंगल होते हुए कोरबा रेंज की सीमा में प्रवेश करने के बाद बताती होते हुए गेराव पहुंच गया। ज्ञात रहे यह हाथी काफी आक्रामक है और लोगों को देखते ही उन पर हमला बोल देता है। दो दिन के भीतर इस दंतैल हाथी ने जिले के कटघोरा वनमंडल में 2 तथा कोरबा में 1 ग्रामीण की जान ले ली थी। दंतैल सुबह-सुबह ग्रामीणों पर हमला बोलता था और उन्हें मौत के घाट उतार देता था। हाथी के इस व्यवहार से ग्रामीण काफी भयभीत थे वहीं वन अमला भी चिंतित था। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक दंतैल हाथी जब तक अकेले घुमता रहेगा, ग्रामीणों को खतरा बना रहेगा, सो ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। हालांकि वन विभाग दंतैल पर लगातार निगरानी बनाये हुए है, बावजूद इसके ग्रामीणों को सतर्क रहना होगा। उन्हें अपने घरों में रहने की सलाह दी जा रही है। इस बीच कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज में उत्पात मचाकर ग्रामीण तथा वन विभाग की नाकों में दम कर देने वाले 3 दंतैल हाथियों का दल नदी को पार कर जीपीएम जिला पहुंच गया है। जबकि 51 हाथी लगातार जटगा रेंज में विचरण कर रहे है।

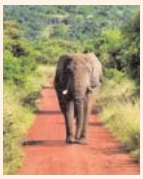

सत्यापन के लिए रुपए मांगने पर पुलिस कर्मी निलंबित

कोरबा। जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से एक कार्रवाई करते हुए आरक्षक सूर्यकांत द्विवेदी को निलंबित किया गया है। दीपक साहू के द्वारा चरित्र सत्यापन के लिए आवेदन देने पर कर्मचारियों ने 1000 देने को कहा था। रायगढ़ जिले के एनटीपीसी प्लांट में गेट पास रिनुअल के लिए दीपक ने यहां पर संपर्क किया था। यह मामला मीडिया में आने पर पुलिस ने जांच कराई। संबंधित आवेदक के द्वारा पुलिस कर्मी की पहचान की गई और इसके बाद निलंबन का आदेश जारी हुआ। कहा गया कि कर्मी को आवश्यक भत्ते मिलते रहेंगे।

बेमानी साबित हो रहे प्रदूषण नियंत्रण के दावे

कोरबा। कोरबा नगर सहित जिले के कोलफील्डस के आस पास रिहायसी क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण की स्थिति अनियंत्रित है। पर्यावरण संरक्षण मंडल और उद्योगों के द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए जो उपकरण लगाने और आकड़े जारी किये जा रहे है, वे वास्तविकता को उजागर कर रहे है।

नीलकंठ के कर्मियों से मारपीट के मामले में आरोपियों को जमानत नहीं

फाईल फोटो

कुसमुंडा क्षेत्र में हुई थी घटना

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड कुसमुंडा क्षेत्र के अंतर्गत काम कर रही नीलकंठ प्राईवेट लिमिटेड की साइड पर दूसरे राज्यों के कर्मचारियों से गाली-गलौच और मारपीट व धमकी देने के मामले में आरोपियों की जमानत कोरबा सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी है। इससे पहले उन्होंने न्यायिक मजिस्ट्रेट के यहां अर्जी लगाई थी।

पिछले हफ्ते यह घटना कुसमुंडा में हुई थी। परियोजना के आसपास के कुछ लोगों को साथ लेकर छत्तीसगढ़ क्रांतिसेना के लोगों ने यहां प्रदर्शन किया था। रोजगार के मुद्दे पर मौके पर न केवल प्रदर्शन किया गया बल्कि नीलकंइ द्वारा नियोजित कर्मचारियों व श्रमिकों के साथ बूरी तरीकों से मारपीट की गई। इससे मौके पर बवाल की स्थिति निर्मित हुई। प्रबंधन द्वारा जानकारी देने पर पुलिस यहां पहुंची और नियंत्रण किया। आलम यह रहा कि घटनाक्रम से भयभीत लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट कराया गया। उनकी शर्त थी कि सुरक्षा के साथ कंपनी अपने कैंप में रखे , इसी स्थिति में काम करना संभव होगा। बाद में इसे बहाल किया गया। पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर कुसमुंडा पुलिस ने मारपीट में शामिल कई लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया। खबर के अनुसार उन्होंने जमानत के लिए स्थानीय कोर्ट में आवेदन लगाया जो खारिज कर दिया गया। सेशन कोर्ट से भी जमानत का रास्ता नहीं मिल सका। इसलिए अब उनके सामने हाईकोर्ट का विकल्प है।

प्रदर्शन करने वाले पड़े ठंडे

जिस जरह से मामले हो रहे हैं और उनमें कार्यवाही हो रही है, उससे कुसमुंडा क्षेत्र में प्रदर्शनों की गति या तो कम हुई या ठहर गई। माना जा रहा है कि यहां वहां के चक्कर लगाने और इनमें लगने व समय व पैसा लोगों को भारी पड़ता नजर आ रहा है। उनके सामने अपनी ओर घर की समस्याएं भी है। जबकि अजीविका प्रबंधन के लिए इनपुट सबसे बड़ा मुद्दा है। कयास लगाया जा रहा है कि इस तरह की घटनाओं से सबक लेने की मानसिकता विभिन्न क्षेत्रों में बनेगी।

दिया गया कौशल प्रशिक्षण

कोरबा। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी कौशल विकास प्रशिक्षण का लाभ ज्यादा से ज्यादा उठाएं। इससे उन्हें कॅरियर बनाने में काफी मदद मिलेगी। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए हरसंभव मदद देने के लिए हम तत्पर रहेंगे। यह विचार हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के मुख्य अभियंता एचके. सिंह ने सिपेट में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण के समापन समारोह में व्यक्त किए। एचटीपीएस की ओर से नई परियोजना 2м660 मेगावाट विद्युत संयंत्र के समीपस्थ 11 गांवों के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) की मदद से दूसरे चरण का कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी औद्योगिक पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। छग. स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी, हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के समीपस्थ 11 गांवों में सीईआर के कार्यों को विस्तारित कर रही है।

भरोसे और भय के बीच अब इंदिरा नगर से शिफ्ट हो रहा सामान

रेलवे ने 24 तक का दिया समय

कोरबा। वर्षों से इंदिरा नगर दुरपा रोड में रह रहे वे लोग है और भरोसे के बीच टिके हुए हैं लेकिन इसी के साथ कुछ मामलों में लोगों ने अपने घरों का सम्मान दूसरी जगह शिफ्ट करना भी शुरू कर दिया है। रेलवे ने 705/ 8 से 705/10 किलोमीटर के बारे में अपनी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए लोगों को 24 दिसंबर तक का समय दिया है और इसके बाद में 30 दिसंबर से तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू करेगा।

अलग-अलग स्तर पर मामले को रुकवाने के लिए जी तोड़ कोशिश लोगों की ओर से की गई। रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों से मिलने और मुख्य मार्ग रेलवे क्रॉसिंग के पास करने के बाद इन लोगों ने कैबिनेट मंत्री और मेयर से भी भेंट की। खबर है कि उनकी ओर से उचित आश्वासन तो प्राप्त हुआ है लेकिन लोग संशय में हैं। लोगों को लग रहा है कि अगर रेलवे की ओर से कार्रवाई हुई तो नुकसान होना बिल्कुल तय है। दूसरी स्थिति में अनुकूलता हो सकती है लेकिन यह भी एक भरम है। इसलिए दोराहे पर अटके कुछ लोगों ने अभी से अपने सामान को दूसरी जगह शिफ्ट करने पर ध्यान दिया है। इंदिरा नगर इलाके से कुछ लोगों को दूसरी जगह सामान

ले जाते हुए आज देखा गया। खबर है कि लोगों की मजबूरी को देखते हुए किराए पर मकान उपलब्ध कराने वालों ने एकाएक दरों को बढ़ा दिया है।

यार्ड पर शुरू किया काम रेलवे ने

रेल पथ अभियंता कार्यालय कोरबा द्वारा 17 को रिमाइंडर स्टेटमेंट जारी करने के बाद वह अपनी अगली कार्रवाई को लेकर अडिग बना हुआ है। इंदिरा नगर में अपनी अर्जित जमीन के आसपास रेलवे की ओर से यार्ड बनाना शुरू किया गया है। मौके पर की जाने वाली कार्रवाई के लिए प्रयुक्त होने वाले सामान को यहां पर रखा जाना है। यह सब देखते हुए भी आसपास के क्षेत्र में दहशत बनी हुई है।

खाली जमीनों पर अतिक्रमण

सूत्रों ने बताया कि रेलवे के द्वारा इस इलाके में नोटिस देने और सुनिश्चित हो गया है कि रेलवे का एक्शन होना है। ऐसे में कुछ लोगों की लॉटरी लग गई है। चिन्हित क्षेत्र के आसपास खाली पड़ी सरकारी जमीन की हीराबंदी करना शुरू किया गया है। इसमें नगर निगम व राजस्व की जमीन शामिल बताई जा रही है। प्रशासन तक यह बात पहुंच गई है ताकि वह समय रहते अतिक्रमण को शून्य कर सके। जरूर इस बात की भी है कि इस क्षेत्र में नदी के किनारे होने वाले अतिक्रमण के मामले में सिंचाई विभाग ध्यान दें। बारिश के मौसम में दिक्कत यहां भी आती हैं।

कार्यभार संभाला भोजराम ने

कोरबा। राजधानी रायपुर स्थित राजेंद्र प्रसाद नगर में हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित के कार्यालय में एक गरिमामय एवं विधिवत कार्यक्रम के दौरान भोजराम देवांगन ने संघ के अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यभार ग्रहण से पूर्व कार्यालय परिसर में भगवान श्रीगणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर संगठन की उन्नति और सफलता की कामना की गई। पूजा-अर्चना के पश्चात मंत्रोच्चार के बीच भोजराम देवांगन को पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया तथा उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर आसीन कराया गया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सचिव, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सहसंयोजक नरेंद्र देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही भोजराम देवांगन के साथ उनके मित्र एवं शुभचिंतक अनाराम देवांगन, अखिलेश जायसवाल, बी.डी. शर्मा, राज नारायण गुप्ता, सुरेश झा, हेतराम देवांगन, महेश गुप्ता, महेश देवांगन सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सेंट जेवियर स्कूल का वार्षिक उत्सव 23 को

कोरबा। सिविल लाइन क्षेत्र अंतर्गत संचालित सेंट जेवियर पब्लिक स्कूल अपना वार्षिक उत्सव समारोह ऋतंभरा 23 दिसंबर को शाम 5:00 बजे आयोजित कर रहा है। कैबिनेट मंत्री लखन देवांगन इसमें मुख्य अतिथि, महापौर संजू देवी राजपूत और विद्या भारती के क्षेत्रीय पदाधिकारी जुडावन सिंह ठाकुर विशिष्ट अतिथि होंगे। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता और परीक्षा में उच्च अंकों से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को पुरस्स्कृत किया जाएगा।

प्रतिनिधि मंडल मिला जीएम से

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व केन्द्रीय कर्मशाला में संयुक्त सलाहकार सदस्यों ने नए जीएम जीके द्विवेदी से मुलाकात की और संडे ड्यूटी की मांग को सामने रखा। जीसमें उन्होंने कहा कि अभी तक 30 नवंबर को एक ही संडे ड्यूटी दिया गया है। जबकि पिछले साल कोयला कामगारों को दो संडे ड्यूटी मिलता था। प्रतिनिधि मंडल के सदस्य दिलीप सिंह एनके साव, संतोष टंडन राजेन्द्र यादव, दादूलाल राठौर ने कहा कि संडे को बढ़ाए जाने की जरूरत है। जिसके आधार पर आज 21 दिसंबर को कोयला कामगारों को पुन: संडे ड्यूटी दिया गया है। जीएम ने आश्वासन दिया है कि यहां पर लगातार काम आ रहे हैं और संडे ड्यूटी में बढ़ोतरी के लिए प्रयास किया जाएगा। आने वाले दिनों में काम की बढ़ोतरी के और प्रयास होंगे। इसके अलावा मेनपॉवर को भी बढ़ाया जाएगा।

रामपुर विधानसभा क्षेत्र में होगी कार्यशाला

कोरबा। भाजपा द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्रों में कार्यशाला लगाया जा रहा है। आज शाम को रामपुर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर को लेकर कार्यशाला आयोजित है। जिसमें भाजपा खनिज निगम के सौरभ सिंह उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा प्रदेश के पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर, जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, सुष्मिता अनंत, डॉ देवेन्द्र कश्यप मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामकुमार गभेल, कमलेश अनंत, अविनाश कंवर, प्रतिमा सोनवानी सहित अन्य कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। जबकि अनिल केशरवानी कोरबा आए हैं। वे भी इस कार्यशाला में शामिल होंगे। कल वे कटघोरा में आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए थे। यहां पर जिलाभाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी के अलावा अभिषेक गर्ग, समजीत सिंह, पियुष अग्रवाल, हरिश थरवानी, दिनेश राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। आज कोरबा विधानसभा के कार्यशाला में कोरबा जिलाप्रभारी अनिल केशरवानी शमिल हो रहे हैं।

सर्विस रिकार्ड के मिलान पर हुई चर्चा

कोरबा। एसईसीएल गेवरा सीजीएम कार्यालय में कल एसईकेएमसी की आईआरवार्ता आयोजित की गई, जिसमें सर्विस रिकार्ड के मिलान पर चर्चा की गई। सर्विस रिकार्ड सुधार को लेकर कोयला कामगारों ने आवेदन जमा किया है। उस आवेदन के आधार पर रिकार्ड को ठीक किया जाना है। लेकिन एसईकेएमसी के कार्यकर्ताओं का मानना है कि अधिकारी सभी कामगारों को बुलाकर सर्विस रिकार्ड की जांच करे। ताकि गड़बड़ियों को दूर किया जा सके। आवेदन जमा होने के बाद भी कई बार सर्विस रिकार्ड सुधर नहीं पाता है। बैठक में उपस्थित डीके मिश्रा, एमपी सिंह, छंदराम राठौर, गिरीश शुक्ला, गिरीश जायसवाल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि नेहरू शताब्दी चिकित्सालय के सामने बने अमृत फार्मेसी में मरीज दवाई लेने के लिए जाते है। भीड़ होने के कारण मरीजों को वहां बैठना पड़ता है।

मनरेगा को खत्म करने के विरोध में कांग्रेसी करेंगे धरना प्रदर्शन

कोरबा। केंद्र की भाजपा सरकार के द्वारा निरतंर रोजगार मुलक जनहितैषी योजनाओं को षड्यंत्र पूर्वक बन्द करना देश की अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण रोजगार को खत्म करना सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है, भाजपा की संघी विचारधारा ने देश को गर्त में ले जा रही है 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना 'को खत्म करने के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर समस्त जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना/प्रदर्शन किया जायेगा। इसी कड़ी में कोरबा जिला मुख्यालय में आज 3 बजे रखा गया है। यह जानकारी देते हुए पार्टी के पदाधिकारियों ने समस्त कार्यकर्ताओं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, मण्डल कांग्रेस, सेक्टर कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, किसान कांग्रेस, ,सेवादल, इंटक,समस्त प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ,सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि एवं समस्त जनप्रतिनिधियों से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

कामगारों से मुलाकात

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व जीएम शाखा केएसएस के अध्यक्ष अनिल सिंह व सचिव प्रवीण रजक द्वारा कोयलाकामगारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। इन दोनों कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में सभी सदस्य विभागों में जा रहे हैं और कोयला कामगारों से उनकी समस्याओं के सबंध में जानकारी ले रहे हैं। खासकर आवास की समस्या यहां पर बनी हुई है। आवासों के मरम्मतीकरण के कार्य किये जाने हैं। इसी तरह अन्य समस्या भी क्षेत्र में बनी हुई है।

3 अब 33 करोड़ राम नाम लेखन महायज्ञ कोरबा जिले में जारी है। बालको नगर के नजदीक भटगांव में राम नाम पुस्तिकाएं वितरित की गई।

नमः शिवाय

प्लाट उपलब्ध

डीडीएम रोड, नमन विहार तथा बुधवारी पेट्रोल पंप के पीछे प्लाट बिक्री हेतु उपलब्ध है।

संपर्क करें
6268146606

शीघ्र आवश्यकता है

1	प्रोडक्शन मैनेजर	01
2	डिजाइन इंजीनियर	03
3	क्वालिटी कंट्रोल मैनेजर	02
4	स्टोरकीपर	01
5	ड्राईवर	03
6	ऑफिस प्यून	01

(केवल अनुभवी ही संपर्क करें)

ब्लैक डायमंड इक्यूपमेन्ट्स प्रा.लि.
प्लाट नं. :156, इंदिरा व्यावसायिक परिसर एवं आवासीय परिसर, टी.पी.नगर-कोरबा,
ई-मेल : psb.bdepl@live.com
मो. - 9926303360, 9131620609

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com